COURSE CODE:HND101	COURSE TYPE: CCC
COURSE TITLE **हिंदी साहित्य का इतिहास**	
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:** **PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. युगीन परिस्थितियों और साहित्यिक प्रवृत्तियों के आधार पर हिंदी साहित्य के इतिहास के काल विभाजन तथा नामकरण का परिचय देना।
2. आदिकालीन, भक्तिकालीन, रीतिकालीन, आधुनिक कालीन प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों, प्रतिनिधि कवियों की विधाओं के विकासक्रम से परिचित कराना।
3. जैन, सिद्ध, नाथ, अपभ्रंश साहित्य के विकास के प्रमुख चरणों की प्रवृत्तियों, प्रभावों, उपलब्धियों तथा सीमाओं से अवगत कराना।
4. युगीन सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक, साहित्यिक तथा आर्थिक परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य से अवगत कराना।
5. छात्र/छात्राओं प्रारम्भिक को प्रारम्भिक ज्ञान होना बहुत महत्वपूर्ण है इसलिए हिंदी रचना के आदिकाल से आधुनिककाल तक के सम्पूर्ण रचनाकारों की रचनाएँ तथा उनके विषय में ज्ञान होना बहुत महत्वपूर्ण है।
6. आधुनिककालीन प्रमुख साहित्यिक प्रवृत्तियों, प्रतिनिधि कवियों, प्रमुख गद्यकारों की विधाओं के विकासक्रम से परिचित कराना।
7. आधुनिक हिंदी कविता के विकास के प्रमुख चरणों की प्रवृत्तियों, प्रभावों, उपलब्धियों तथा सीमाओं से अवगत कराना।
8. हिंदी गद्य के आविर्भाव के प्रधान कारणों, परिस्थितियों का परिचय देना।
9. युगीन सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक, साहित्यिक तथा आर्थिक परिस्थितियों के परिप्रेक्ष्य में हिंदी साहित्य से अवगत कराना।

UNIT-1 18Hours	हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन का इतिहास, काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन साहित्यिक परंपराएँ – सिद्ध, नाथ एवं जैन साहित्य, रासो काव्य परंपरा एवं रासो ग्रंथों की प्रामाणिकता, अमीर खुसरो की हिंदी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली, आदिकालीन हिंदी साहित्य की प्रमुख विशेषताएँ
UNIT-2 18Hours	भक्ति आंदोलन : सामाजिक–सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, भक्ति आंदोलन और लोक जागरण, प्रमुख निर्गुण संत,निर्गुण भक्ति साहित्य की सामान्य विशेषताएँ। प्रमुख सगुण भक्त कवि, सगुण कवियों की प्रमुख रचनाएँ, सगुण भक्ति की मुख्य धाराएँ और उनकी शाखाएँ, सगुण भक्ति साहित्य की सामान्य विशेषताएँ। भारत में सूफी मत का उदय और विकास, सूफी मत के सामान्य सिद्धांत, हिंदी के प्रमुख सूफी कवि और काव्य ग्रंथ, सूफी काव्यधारा की सामान्य विशेषताएँ।
UNIT-3 18Hours	रीतिकाल की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, रीतिकाल के मूल स्रोत, प्रमुख रीतिकालीन कवि, रीतिमुक्त काव्यधारा और रीतिकाव्य की सामान्य विशेषताएँ।

UNIT-4 18Hours	1857 का स्वतंत्रता संघर्ष और हिंदी क्षेत्र का नवजागरण, भारतेंदु और उनका मंडल, 19 वीं शताब्दी की प्रमुख हिंदी पत्र–पत्रिकाएँ, भारतेंदुकालीन साहित्य की विशेषताएँ। महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, सरस्वती और हिंदी नवजागरण, द्विवेदी युग के प्रमुख गद्य लेखक और कवि, मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा। हिंदी में गद्य विधाओं का उदय, उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध एवं आलोचना का विकास, प्रेमचंद, रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ. रामविलास शर्मा एवं नामवर सिंह का महत्व।
UNIT-5 18Hours	छायावाद की प्रवृत्तियाँ, प्रमुख छायावादी कवि। प्रगतिशील साहित्य की प्रवृत्तियाँ, प्रमुख प्रगतिशील साहित्य,प्रयोगवाद और नई कविता। स्वातंत्र्योत्तर हिंदी उपन्यास, नई कविता, नई कहानी, कहानी आंदोलन।समकालीन साहित्य।आधुनिक उर्दू साहित्य का संक्षिप्त परिचय।
अनुशंसित ग्रंथ :	1. हिंदी साहित्य का इतिहास – रामचंद्र शुक्ल 2. हिंदी साहित्य का इतिहास – संपादक डॉ. नगेन्द्र 3. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त 4. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह 5. हिंदी साहित्य और उसकी प्रवृत्तियाँ – डॉ. गोविंद राम शर्मा 6. आधुनिक साहित्य का इतिहास – डॉ. बच्चन सिंह 7. हिंदी साहित्य की भूमिका – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी 8. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास – डॉ. रामकुमार वर्मा 9. हिंदी साहित्य : एक परिचय – डॉ. त्रिभुवन सिंह 10. हिंदी साहित्य की नवीन विधाएँ – डॉ. कैलाश चंद्र भाटिया 11. हिंदी साहित्य का इतिहास : नये विचार नई दिशाएँ – डॉ. सुरेश कुमार जैन 12. संत साहित्य की समझ – डॉ नन्द किशोर पाण्डेय 13. हिंदी साहित्य बीसवीं शताब्दी – नंददुलारे वाजपेयी 14. साहित्य और इतिहास दृष्टि – डॉ. मैनेजर पाण्डेय 15. हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की समीक्षा– डॉ. **राजकुमार उपाध्याय 'मणि'** 16. हिंदी साहित्य : उद्भव और विकास – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी 17. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास – डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी 18. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय 19. इतिहास और आलोचना – डॉ. नामवर सिंह 20. आधुनिक हिंदी साहित्य : विविध आयाम – डॉ. रामचंद्र तिवारी 21. हिंदी का गद्य साहित्य – डॉ. रामचंद्र तिवारी 22. हिन्दी आलोचना का इतिहास – डॉ. रामदरश मिश्र 23. हिन्दी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल

COURSE CODE:HND201	COURSE TYPE: CCC
COURSE TITLE **प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य**	
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:** **PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

हिंदी का आदिकालीन, भक्तिकालीन तथा रीतिकालीन काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना।

2. तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचय कराना।
3. पाठ्यकृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।

UNIT-1 18Hours	पृथ्वीराज रासो : चंदवरदायी (सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं नामवर सिंह) शशिव्रता विवाह आरंभ से 20 छंद पदावली : विद्यापति (शिवप्रसाद सिंह) प्रारंभ से 10 पद
UNIT-2 18Hours	कबीर ग्रंथावली (सं.श्यामसुंदरदास)10 पद– 2,3,11,18,24,39,40,41,44,51, साखी
UNIT-3 18 Hours	पद्मावत : जायसी (संम – रामचन्द्र शुक्ल नागमती वियोग वर्णन)
UNIT-4 18 Hours	भ्रमरगीतसार : सूरदास (सं. रामचंद्र शुक्ल) पद स.– 7,8,23,25,34,38,41,42,52
UNIT-5 18 Hours	रामचरितमानस : तुलसीदास(गीताप्रेस संस्करण)बालकांड(आदि से 20 दोहे तक) अयोध्याकांड (272 से 292 दोहे तक

अनुशंसित ग्रंथ	1. कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी 2. कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी 3. कबीर : एक विवेचन – डॉ सरनाम सिंह शर्मा 4. कबीर एक अनुशीलन – डॉ रामकुमार वर्मा 5. तुलसीदास साहित्य में नीति, भक्ति और दर्शन – डॉ हरिश्चंद्र शर्मा 6. तुलसी का काव्य सौंदर्य – डॉ राममूर्ति त्रिपाठी 7. तुलसी का मानस – मुंशीराम शर्मा 8. गोस्वामी तुलसीदास – आ. रामचंद्र शुक्ल 9. तुलसी काव्य दर्शन – डॉ. रामलाल सिंह 10. तुलसी साहित्य सुधा – डॉ. भागीरथ मिश्र 11. तुलसीदास : वस्तु और शिल्प – डॉ आनंदप्रकाश दीक्षित 12. विनयपत्रिका : एक मूल्यांकन – डॉ हरिश्चंद्र शर्मा 13. मध्ययुगीन काव्य प्रतिभाएँ – रामकली सराफ 14. हिंदी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल 15. हिंदी साहित्य का इतिहास – संपादक : डॉ. नगेन्द्र 16. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त 17. संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह 'दिनकर' 18. पूर्व मध्यकालीन भारत का सामंती समाज और संस्कृति – रामशरण शर्मा 19. संत साहित्य की समझ– नंद किशोर पांडेय 20. कबीर कवि साधक और समाजसुधारक – डॉ. राधेश्याम दुबे, डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी, डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि

COURSE CODE: HND103	COURSE TYPE: CCC
COURSE TITLE **हिंदी भाषा एवं भाषा विज्ञान**	
CREDIT: **THEORY: 6** **PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30** **PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:** **PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. **हिंदी के विविध रूपों की जानकारी देना।**
2. **साहित्य के अध्ययन में भाषाविज्ञान की उपयोगिता स्पष्ट करना।**
3. **भाषा विज्ञान के अंगों एवं विभिन्न शाखाओं का परिचय देना।**
4. **भारतीय आर्य भाषाओं के ऐतिहासिक विकास क्रम की जानकारी देना।**
5. **भाषा विज्ञान के सैद्धांतिक पक्ष से अवगत कराना।**
6. **विकास के संबंध में देवनागरी लिपि की विशेष जानकारी देना।**
7. **हिंदी के शब्द भेदों के विकासक्रम का विवरण देना।**
8. **हिंदी के शब्द भंडार एवं व्याकरणिक स्वरूप से परिचित कराना।**

UNIT-1 18 Hours	भाषा : परिभाषा, तत्व, अंग, प्रकृति और विशेषताएँ, भाषा परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ, भाषा विज्ञान की प्रमुख अध्ययन पद्धतियाँ, भाषाविज्ञान की प्रमुख शाखाएँ (समाज भाषाविज्ञान, शैली विज्ञान और कोशविज्ञान का सामान्य परिचय)।
UNIT-218	स्वनिम विज्ञान – परिभाषा, स्वन, संस्वन और स्वनिम, स्वनयंत्र और स्वन उत्पादन प्रक्रिया, स्वन भेद, मानस्वर, स्वन परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ, स्वनिम के भेद एवं स्वनिम वितरण के सिद्धांत।
UNIT-3 18 Hours	रूपिम विज्ञान – शब्द और रूप (पद), संबंध तत्व और अर्थ तत्व, रूपिम और स्वनिम रूपिमा का स्वरूप, रूपिमों का वर्गीकरण, वाक्य विज्ञान, वाक्य की परिभाषा, संरचना, निकटस्थ अवयव, वाक्य के प्रकार, वाक्य परिवर्तन – कारण एवं दिशाएँ।
UNIT-4 18Hours	अर्थ विज्ञान – शब्दार्थ संबंध, विवेचन, अर्थ परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ। आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ और उनका वर्गीकरण।
UNIT-5 18 Hours	हिंदी भाषा का विकास, अवधी, ब्रज एवं खड़ी बोली की सामान्य विशेषताएँ और साहित्यिक विकास। राष्ट्रभाषा, राजभाषा एवं संपर्क भाषा के रूप में हिंदी। देवनागरी लिपि की सामान्य विशेषताएँ। हिंदी भाषा का आधुनिकीकरण एवं मानकीकरण।

अनुशंसित ग्रंथ

1. भाषा विज्ञान – डॉ भोलानाथ तिवारी
2. भाषा विज्ञान – डॉ राजमल बोरा
3. भाषा विज्ञान की भूमिका : सैद्धांतिक विवेचन – डॉ देवेंद्रनाथ शर्मा
4. भाषा विज्ञान के सिद्धांत – डॉ त्रिलोचन पाण्डेय
5. भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा – द्वारिका प्रसाद सक्सेना
6. राजभाषा हिंदी : प्रचलन और प्रसार – डॉ रामेश्वर प्रसाद
7. नागरी लिपि : हिंदी और वर्तनी – अनंत चौधरी
8. आर्यभाषा परिवार – रामविलास शर्मा
9. भारतीय आर्यभाषाएँ और हिंदी – सुनीति कुमार चटर्जी
10. हिंदी भाषा का इतिहास – धीरेंद्र वर्मा
11. हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास – उदय नारायण तिवारी
12. संपर्क भाषा हिंदी – संपादन सुरेश कुमार/ठाकुरदास
13. समकालीन हिंदी में रूपस्वामिनिकी – सुधाकर सिंह
14. हिंदी भाषा का आधुनिकीकरण एवं मानकीकरण – डॉ. त्रिभुवन नाथ शुक्ल
15. कोश विज्ञान : प्रविधि एवं प्रणाली – डॉ. त्रिभुवन नाथ शुक्ल

COURSE CODE: HNDA02		**COURSE TYPE: ECC/CB**
COURSE TITLE **संत कवि कबीरदास**		
CREDIT: **THEORY: 6**	**PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30**	**PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. **छात्रों को कबीर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना।**
2. **हिंदी की भक्तिकालीन काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना।**
3. **तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचित कराना।**
4. **पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।**

UNIT-1 18 Hours	गुरुदेव कौ अंग : 3, 6, 12, 14, 15, 16, 21, 26, 33, 34, = 10 (कवीर ग्रंथावली – डॉ. श्यामसुन्दर दास)
UNIT-2 18 Hours	विरह कौ अंग : 4, 5, 21, 22, 45, = 05
UNIT-3 18 Hours	काल कौ अंग : 1, 13, 14, 15, 20, = 05
UNIT-4 18 Hours	विद्या कौ अंग : 2, 3, 6, 8, 10, = 05
UNIT-5 18 Hours	सूरा तन कौ अंग 3, 6, 8, 9, 11 = 05
अनुशंसित ग्रंथ	1. कबीर – हजारी प्रसाद द्विवेदी 2. कबीर साहित्य की परख – परशुराम चतुर्वेदी 3. कबीर : एक विवेचन – डॉ सरनाम सिंह शर्मा 4. कबीर एक अनुशीलन – डॉ रामकुमार वर्मा 5. संत साहित्य की समझ – नन्द किशोर पाण्डेय 6. कवीर ग्रंथावली – डॉ. श्यामसुन्दर दास 7. कबीर : कवि साधक और समाज सुधारक – डॉ. राधेश्याम दुबे, डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी डॉ राजकुमार उपाध्याय मणि

COURSE CODE: HNDA03		COURSE TYPE: ECC/CB
COURSE TITLE **भक्तकवि सूरदास**		
CREDIT: **THEORY: 6** **PRACTICAL:NA**		**HOURS: 90** **THEORY: 90** **PRACTICAL:**

MARKS: THEORY: 70+30 PRACTICAL:	MARKS THEORY: PRACTICAL:

OBJECTIVE:

1. छात्रों को कवि सूरदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना।
2. हिंदी की भक्तिकालीन काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना।
3. तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचित कराना।
4. पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।

UNIT-1 18Hours	सूरसागर (प्रारंभिक पद) पद संख्या – 1,3,6,8,10,12,14,18,19,21,22,25,28,30,32,34,35,36,39,40 = 20 (सूरसागर – पं. आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी)
UNIT-2 18 Hours	पद संख्या–42,44,45,48,49,51,56,57,59,61,63,65,68,70,72,74,76,77,79,81 = 20
UNIT-3 18 Hours	पद संख्या – 84,86,87,88,90,92,94,96,97,98,99,100,102,104,105,106,108, 109,110,112 =20
UNIT-4 18 Hours	पद संख्या – 114,116,117,118,120,121,122,124,126,129,130,132,133,134,135,136,137 ,139,140,143 = 20
UNIT-5 18 Hours	पद संख्या – 150,154,155,158,161,162,164,168,170,172,173,176,177,179,180, 183,184,185,189,190 = 20
अनुशंसित ग्रंथ	1. सूरदास – डॉ. नंददुलारे वाजपेयी 2. सूरदास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल 3. सूर साहित्य – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी 4. सूर की भाषा – डॉ. प्रेमनारायण टंडन 5. कृष्ण काव्य और सूर : सांस्कृतिक संदर्भ – डॉ. प्रेमशंकर 6. सूरदास : एक पुनरावलोकन – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा 7. भ्रमरगीत का काव्य सौंदर्य – सत्येन्द्र पारीक 8. भ्रमरगीत : एक अन्वेषण – डॉ. सत्येन्द्र

	9. भारतीय साधना और सूर साहित्य – डॉ. हरवंशलाल शर्मा 10. सूरदास और उनका साहित्य – डॉ. मुंशीराम शर्मा 11. सूर की मौलिकता – डॉ. वेदप्रकाश शास्त्री 12. मध्यकालीन बोध और साहित्य – डॉ. हजारी प्रसाद द्विवेदी 13. हिंदी साहित्य का इतिहास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल 14. भक्तिकाव्य और लोकजीवन – डॉ. शिवकुमार मिश्र 15. भक्तिकाव्य की भूमिका – डॉ. प्रेमशंकर 16. भक्तिकाल के भारतीय रहस्यवाद – डॉ. राधेश्याम दुबे 17. महाकवि सूरदास और उनकी सूर सारावली – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि

COURSE CODE: HNDA04	**COURSE TYPE: ECC/CB**
COURSE TITLE **महाकवि तुलसीदास**	
CREDIT: **THEORY: 6** **PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30** **PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:** **PRACTICAL:**
OBJECTIVE: 1. **छात्रों को तुलसीदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना।** 2. **हिंदी की भक्तिकालीन काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना।** 3. **तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचित कराना।** 4. **पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।**	
UNIT-1 18 Hours	रामचरित मानस (बालकाण्ड) दोहा – 1 से 10 (श्री रामचरितमानस – गीताप्रेस गोरखपुर)
UNIT-2 18 Hours	रामचरितमानस (उत्तरकाण्ड) दोहा – 11 से 20

UNIT-3 18 Hours	कवितावली (प्रारंभिक छंद 1 से 10) (कवितावली – गीताप्रेस गोरखपुर)
UNIT-4 18 Hours	गीतावली पद – 1 से 10 (गीतावली – गीताप्रेस गोरखपुर)
UNIT-5 18 Hours	विनयपत्रिका पद – 11 से 20
अनुशंसित ग्रंथ	1. तुलसीदास साहित्य में नीति, भक्ति और दर्शन – डॉ हरिश्चंद्र शर्मा 2. तुलसी का काव्य सौंदर्य – डॉ राममूर्ति त्रिपाठी 3. तुलसी का मानस – मुंशीराम शर्मा 4. गोस्वामी तुलसीदास – आचार्य रामचंद्र शुक्ल 5. तुलसी काव्य दर्शन – डॉ. रामलाल सिंह 6. तुलसी साहित्य सुधा – डॉ. भगीरथ मिश्र 7. तुलसीदास : वस्तु और शिल्प – डॉ आनंदप्रकाश दीक्षित 8. विनयपत्रिका : एक मूल्यांकन – डॉ हरिश्चंद्र शर्मा 9. हिन्दी आलोचना और हिन्दी नवरत्न – राजकुमार उपाध्याय मणि 10. लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी 11. तुलसी आधुनिक वातायन से : रमेश कुन्तलमेघ 12. तुलसी आधुनिक संदर्भों में : डॉ भगीरथ मिश्र

COURSE CODE: HNDA05		**COURSE TYPE: ECC/CB**	
COURSE TITLE **जयशंकर प्रसाद**			
CREDIT: **THEORY: 6**	**PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30**	**PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**
OBJECTIVE:			

	1. छात्रों को जयशंकर प्रसाद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचित कराना। 2. हिंदी की छायावादी काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना। 3. तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचित कराना। 4. पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।
UNIT-1 18 Hours	आँसू (सम्पूर्ण काव्य)
UNIT-2 18 Hours	कामायनी – (श्रद्धा–इड़ा)
UNIT-3 18 Hours	जनमेजय का नागयज्ञ (नाटक)
UNIT-4 18 Hours	कमलि (उपन्यास)
UNIT-5 18 Hours	आकाशदीप, गुण्डा, मधुआ, छोटा जादूगर
अनुशंसित ग्रंथ	1. जयशंकर प्रसाद – आचार्य नंददुलारे बाजपेयी 2. नया साहित्य : नये प्रश्न – आचार्य नंददुलारे बाजपेयी 3. प्रसाद और उनका साहित्य – विनोदशंकर व्यास 4. प्रसाद का काव्य – डॉ.प्रेमशंकर भारती 5. प्रसाद का जीवन और साहित्य – डॉ.रामरतन भटनागर 6. प्रसाद का गद्य साहित्य – डॉ.राजमणि शर्मा 7. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – डॉ. जगन्नाथ प्रसाद शर्मा 8. जयशंकर प्रसाद – वस्तु और कला – डॉ. रामेश्वर खण्डेलवाल 9. प्रसाद का जीवन और साहित्य – डॉ रामेश्वर भटनागर 10. हिंदी उपन्यास – आचार्य रामचंद्र तिवारी

11. आधुनिक हिंदी साहित्य – विविध आयाम – आचार्य रामचंद्र तिवारी
12. आंसू : काव्य और शैली – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि
13. कामायनी का रचना संसार : डॉ. प्रेमशंकर

COURSE CODE: HNDA06		COURSE TYPE: ECC/CB
COURSE TITLE **आचार्य रामचन्द्र शुक्ल**		
CREDIT: **THEORY: 6** **PRACTICAL:NA**		**HOURS: 90** **THEORY: 90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30** **PRACTICAL:**		**MARKS** **THEORY:** **PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. छात्रों को तत्कालीन परिस्थितियों (राजनैतिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, साहित्यिक) के परिप्रेक्ष्य रामचंद्र शुक्ल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का परिचय देते हुए हिंदी को उनके प्रदेय की जानकारी देना।
2. रामचंद्र शुक्ल की साहित्यिक शक्ति और सीमाओं से परिचित कराना।
3. छात्रों को रामचंद्र शुक्ल के साहित्य की प्रासंगिकता से अवगत कराना।

UNIT-1 18Hours	चिंतामणि भाग – 1 01 से 06 निबंध
UNIT-2 18 Hours	चिंतामणि भाग – 1 07 से 12 निबंध
UNIT-3 18 Hours	चिंतामणि भाग – 1 13 से 17 निबंध
UNIT-4 18 Hours	रस मीमांसा : पूर्व भाग
UNIT-5 18 Hours	रस मीमांसा : उत्तर भाग

अनुशंसित ग्रंथ	1. आलोचक रामचंद्र शुक्ल – गुलाबराय 2. रामचंद्र शुक्ल – मलयज 3. रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना – रामविलास शर्मा 4. प्रतिनिधि हिंदी निबंधकार – डॉ.हरिमोहन 5. आचार्य रामचंद्र शुक्ल – रामचंद्र तिवारी 6. हिंदी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी 7. हिंदी आलोचक – शिखरों का साक्षात्कार – रामचंद्र तिवारी 8. आलोचक के बदलते मानदंड और हिंदी साहित्य – शिवकरण सिंह 9. आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह 10. हिंदी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल

COURSE CODE: HND102		COURSE TYPE: CCC
COURSE TITLE **आधुनिक काव्य**		
CREDIT: **THEORY: 6** **PRACTICAL:NA**		**HOURS: 90** **THEORY: 90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30** **PRACTICAL:**		**MARKS** **THEORY:** **PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. **विद्यार्थियों को आधुनिक हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों का परिचय कराना।**
2. **विद्यार्थियों को आधुनिक काल के प्रबंध और मुक्तक काव्य के तात्विक स्वरूप की जानकारी देना।**
3. **आधुनिक युग के इन काव्य प्रकारों के विकासक्रम से परिचित कराना।**
4. **विद्यार्थियों को आधुनिक काव्य प्रकारों के तात्विक स्वरूप एवं विकासक्रम के परिप्रेक्ष्य में रचनाओं के आस्वादन, अध्ययन और मूल्यांकन की दृष्टि देना।**

UNIT-1 18Hours	भारतेन्दु हरिश्चन्द्र – यमुना शोभा, हरियौध – प्रिय प्रवास – षष्ठ सर्ग मैथलिशरण गुप्त – साकेत नवंम सर्ग पाठ्यग्रन्थ आधुनिक कविता के प्रतिमान – डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी
UNIT-2 18Hours	जयशंकर प्रसाद : कामायनी (श्रद्धा, इड़ा सर्ग), आँसू (सम्पूर्ण)
UNIT-3 18 Hours	सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : बादल राग, संध्या सुन्दरी, स्नेह निर्झर बह गया, जूही की कली, सरोज स्मृति, राम की शक्तिपूजा
UNIT-4 18 Hours	सुमित्रानंदन पंत : नौका विहार, ताज, भारतमाता, परिवर्तन,
UNIT 5 18 Hours	महादेवी वर्मा : बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मै नीर भरी दुख की बदली, धीरे–धीरे उतर क्षितिज से आ बसंत रजनी, यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो, पिक हौल–हौले बोल पंथ होने दो अपरिचित, रे पपीहे पी कहां, क्या जलने की रीति सलभ, प्रिय पथ के यह शूल चुभते ही तेरा अरूण बान

अनुशंसित ग्रंथअनुशंसित ग्रंथ

1. जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी
2. कामायनी : एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध
3. छायावाद – नामवर सिंह
4. छायावाद की प्रासंगिकता – रमेशचंद्र शाह
5. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – द्वारिका प्रसाद सक्सेना
6. आधुनिक हिंदी काव्य में रूप विधाएँ – डॉ निर्मला जैन
7. कामायनी में काव्य संस्कृति और दर्शन – डॉ द्वारिका प्रसाद सक्सेना
8. कामायनी : इतिहास और रूपक – सुशीला शर्मा
9. नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर – डॉ संतोष कुमार तिवारी
10. क्रांतिकारी कवि निराला – डॉ बच्चन सिंह
11. निराला : आत्महंता आस्था – डॉ दूधनाथ सिंह
12. आज के प्रतिनिधि कवि – राजकिशोर यादव
13. नई कविता की भूमिका – श्री अंजनी कुमार
14. नई कविता की वैचारिक परिप्रेक्ष्य – डॉ. जीवन प्रकाश जोशी
15. नई कविता : संस्कार और शिल्प – डॉ. रमाशंकर मिश्र
16. कामायनी का संसार – डॉ. प्रेमशंकर
17. कामायनी : अध्ययन की समस्यायें – डॉ. नगेन्द्र
18. मैथलीशरण गुप्त व्यक्तित्व एवं कृतित्व – डॉ. कमला कान्त पाठक
19. आँसू : काव्य और शैली – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि
20. आधुनिक कविता के प्रतिमान – डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी

COURSE CODE:HND202	COURSE TYPE: CCC
COURSE TITLE:**कथा साहित्य**	
CREDIT: THEORY: 6PRACTICAL:NA	HOURS: 90 THEORY: 90 PRACTICAL:
MARKS: THEORY: 70+30PRACTICAL:	MARKS THEORY: PRACTICAL:

OBJECTIVE:

१. गद्य की प्रमुख विधाओं के तात्विक स्वरूप का परिचय देना।
2. प्रमुख गद्य विधाओं के विकासक्रम की जानकारी देना।
3. विधा विशेष के तात्विक स्वरूप एवं ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढ़ाना।
4. रचना के आस्वादन एवं समीक्षण की क्षमता विकसित करना।

UNIT- 1/ 18 Hours	रंगभूमि (उपन्यास) – प्रेमचंद
UNIT-2 18 Hours	वाणभट्ट की आत्मकथा –हजारी प्रसाद द्विवेदी
UNIT-3 18 Hours	शेखर एक जीवनी (भाग–एक) – अज्ञेय
UNIT-4 18 Hours	तमस – भीस्म साहनी
UNIT-5 18 Hours	कहानियाँ – संपादक शुकदेव सिंह विश्वविद्यालय प्रकाशन वाराणसी 1. पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद 2. उसकी माँ – बेचन शर्मा 'उग्र' 3. भेड़िए – भुवनेश्वर 4. परदा – यशपाल 5. काँगड़ा का तेली – उपेंद्र नाथ अश्क 6. वांङ्चू – भीष्म साहनी 7. मलबे का मालिक – मोहन राकेश

अनुशंसित ग्रंथ		
	1. प्रेमचंद : एक अध्ययन	– राजेश्वर गुरू
	2. प्रेमचंद और उनका युग	– रामविलास शर्मा
	3. प्रेमचंद : एक विवेचन	– इंद्रनाथ मदान
	4. उपन्यासकार हजारीप्रसाद द्विवेदी	– त्रिभुवन सिंह
	5. अज्ञेय का कथा साहित्य	– ओम प्रभाकर
	6. विवेक के रंग	– देवीशंकर अवस्थी
	7. हिंदी उपन्यास	– शिवनारायण श्रीवास्तव
	8. कहानी नई कहानी	– नामवर सिंह
	9. कहानी आंदोलन की भूमिका	– बलीराज पांडे
	10. आज की हिंदी कहानी	– विजय मोहन सिंह
	11. उपन्यास का इतिहास	– गोपाल राय
	12. उपन्यास : स्थिति और गति	– चंद्रकांत बांदीवड़ेकर
	13. यशपाल	– कमला प्रसाद
	14. दूसरी परंपरा की खोज	– नामवर सिंह
	15. नई कहानी : परिवेश और परिप्रेक्ष्य	– रामकली सराफ
	16. हिंदी का गद्य साहित्य	– रामचंद्र तिवारी
	17. हिन्दी कथा सरिता	– डॉ. शशीकला पाण्डेय

COURSE CODE:HND203		COURSE TYPE: CCC
COURSE TITLE **भारतीय काव्यशास्त्र**		
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE: छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र का परिचय देना।
2. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के विकासक्रम का परिचय देना।
3. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों का ज्ञान कराना।
4. छात्रों को भारतीय साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों में साम्य, वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान कराना।
5. साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के माध्यम से छात्रों में समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।

UNIT-1 18 Hours	काव्यशास्त्र का इतिहास – सामान्य परिचयकाव्य लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन
UNIT-2 18 Hours	रस सिद्धांत – रस की अवधारणा , रस निष्पत्ति और साधारणीकरण
UNIT-3 18 Hours	ध्वनि सिद्धांत – ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि विचार का स्रोत, ध्वनि का वर्गीकरण, ध्वनि सिद्धांत का महत्व
UNIT-4 18 Hours	अलंकर सिद्धांत – अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार सिद्धांत एवं अन्य संप्रदाय। रीति सिद्धांत – रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण।

UNIT-5 18 Hours	वक्रोक्ति सिद्धांत – वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद, वक्रोक्ति का महत्व औचित्य सिद्धांत – औचित्य की अवधारणा, औचित्य का महत्व।
अनुशंसित ग्रंथ	भारतीय काव्यशास्त्र – डॉ.भागीरथ मिश्र 2. रसमीमांसा – आ0 रामचंद्र शुक्ल 3. संस्कृत आलोचना – बलदेव उपाध्याय 4. काव्यशास्त्र की भूमिका – डॉ.नगेंद्र 5. भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज – राममूर्ति त्रिपाठी 6. ध्वनि सम्प्रदाय और उनके सिद्धांत – भोलाशंकर व्यास 7. रीतिकाव्य की भूमिका – डॉ.नगेंद्र 8. भारतीय काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ.कृष्णदेव शर्मा 9. काव्य के रूप – गुलाब राय 10. भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ.बच्चन सिंह 11. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा – संपादन डॉ.नगेंद्र 12. भारतीय काव्यशास्त्र के प्रतिमान – डॉ.जगदीश प्रसाद कौशिक 13. साहित्य शास्त्र – रामशरण दास गुप्त 14. रीतिकाव्य की भूमिका – डॉ. नगेंद्र 15. रस सिद्धान्त – डॉ. नगेन्द्र 16. समीक्षाशास्त्र के मानदण्ड – डॉ. रामसागर त्रिपाठी 17. रस और रस परंपरा – वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी 18. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की पहचान – डॉ. हरिमोहन

:

COURSE CODE:HNDB02		COURSE TYPE: ECC/CB
COURSE TITLE **आदिकाव्य**		
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1.हिंदी की आदिकालीन, काव्य प्रवृत्तियों की जानकारी देना।

2. तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचय कराना।

3. पाठ्यकृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।

4. छात्र छात्रो को साहित्य के आदिकालीन काव्य से परिचित होना आवश्यक है।

5. चद्वरदांयी, विद्यावती, सूर तुलसी, जैसे महान रचनाकारों की पृष्ठभूमि तथा प्रमुख रचनाओं का अपना ही महत्व है इन उद्देश्य से पाठ्यक्रम के माध्यम से बताना महत्वपूर्ण है।

UNIT-1 18 Hours	सरहपाद : चर्यापद, दोहाकोष पाठ्यग्रन्थ – आदिकालिन काव्य : डॉ. वासुदेव सिंह
UNIT-2 18 Hours	गोरखनाथ : सबदी के पद
UNIT-3 18 Hours	चन्दवरदाई – अथपदमावती समय
UNIT-4 18 Hours	विद्यापति – कीर्तिलता प्रथम पल्लव पदावली : प्रार्थना, बंशीमाधुरी, रूपवर्णन, द्वितीय प्रसंग, बसंत मिलन
UNIT-5 18 Hours	संदेश रासक – अब्दुल रहमान (प्रथम प्रक्रम)

अनुशंसित ग्रंथ

1.हिंदी साहित्य का इतिहास – आ. रामचंद्र शुक्ल

2.हिंदी साहित्य का इतिहास – संपादक : डॉ. नगेन्द्र

3.. हिंदी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास – डॉ. गणपतिचंद्र गुप्त

4.संस्कृति के चार अध्याय – रामधारी सिंह 'दिनकर

5. पृथ्वीराज रासो – (चन्दवरदाइ) – श्यामसुन्दर दास
6. विद्यापति पदावली – रामबृक्ष बेनीपुरी
7. विद्यापति – शिवप्रसाद सिंह
8. संदेश रासक – हजारी प्रसाद द्विवेदी
9. आदिकाल – हजारी प्रसाद द्विवेदी
10. आदिकालीन काव्य – डॉ. वासुदेव सिंह
11. प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य – डॉ. प्रेमब्रत तिवारी

COURSE CODE:HNDB03		COURSE TYPE: ECC/CB
COURSE TITLE **संत काव्य**		
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. छात्रों को संत काव्य से परिचित कराना।
2. हिंदी की संत काव्य की प्रवृत्तियों की जानकारी देना।
3. तत्कालीन प्रमुख क
   तथा उनकी कृतियों से परिचित कराना।
4. पाठ्य कृतियों
   संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।

UNIT-1 18 Hours	कबीरदास
UNIT-2 18 Hours	मलिक मुहम्मद जायसी
UNIT-3 18 Hours	सूरदास
UNIT-4 18 Hours	नन्ददास

UNIT-5 **18 Hours**	सुलसीदास पाठ्यग्रन्थ – मध्ययुगीन काव्य साधना : डॉ. रामचन्द्र तिवारी
अनुशंसित ग्रंथ	1. नाथ संप्रदाय – हजारी प्रसाद द्विवेदी 2. हिंदी साहित्य में निगुर्ण संप्रदाय – डॉ.पीताम्बरदत्त बड़थ्वाल 3. संत साहित्य – डॉ.राधेश्याम दुबे 4. हिंदी काव्य की निगुर्णधारा में भक्ति – डॉ.श्यामसुंदर शुक्ल 5. उत्तरभारत की संत परंपरा – डॉ.परशुराम चतुर्वेदी 6. कबीर का सांस्कृतिक अध्ययन – डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी 7. संत साहित्य की समझ – डॉ. नन्दकिशोर पाण्डेय 8. कबीर कवि साधक और समाज सुधारक – डॉ. राधेश्याम दुबे, डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी, डॉ. राजकुम उपाध्याय मणि

COURSE CODE:HNDB04		COURSE TYPE: ECC/CB
COURSE TITLE **रीति काव्य**		
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. **छात्रों को रीति काव्य से परिचित कराना।**
2. **हिंदी की रीति काव्य की प्रवृत्तियों की जानकारी देना।**
3. **तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचित कराना।**
4. **पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।**

UNIT-1 18 Hours	केशवदास – रसिकप्रिया बिहारी – बिहारी सतसई – भक्ति, संयोग, वियोग श्रृंगार पाठ्यग्रंथ : रीति काव्यधारा – डॉ. रामचन्द्र तिवारी
UNIT-2 18 Hours	मतिराम – निर्धारित 01 से 15 छन्द भूषण – शिवाजी प्रशस्ति एवं छत्रशाल प्रशस्ति
UNIT-3 18 Hours	सेनापति – श्लेष वर्णन 10 छन्द देव – ऋतु वर्णन, रूप तरंग, वियोग वर्णन
UNIT-4 18 Hours	भिखारीदास – 10 छन्द पद्माकर – 10 छन्द शेखआलम – 10 छन्द

UNIT-5 **18 Hours**	स्वच्छन्द कवि : धनानन्द – 10 छन्द ठाकुर – 05 छन्द बोधा – 05 छन्द द्विजदेव – 05 छन्द
अनुशंसित ग्रंथ	1. रीतिकाव्य की भूमिका – डॉ.नगेंद्र 2. भारतीय साहित्यशास्त्र और काव्यालंकार – डॉ.भोलाशंकर व्यास 3. पद्माकर – विश्वनाथप्रसाद मिश्र 4. रीतिकालीन कवियों की प्रेमव्यंजना – डॉ.बच्चन सिंह 5. केशव का आचार्यत्व – डॉ.विजयपाल सिंह 6. महाकवि मतिराम – डॉ.त्रिभुवन सिंह 7. रीतिकालीन काव्यसिद्धांत – डॉ.सूर्यनारायण द्विवेदी 8. घनआनन्द कवित्त – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि 9. घनआनन्द ग्रन्थावली – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि

COURSE CODE:HNDB05		COURSE TYPE: ECC/CB
COURSE TITLE **छायावादी काव्य**		
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. छात्रों को छायावाद से परिचित कराना।
2. छायावाद की प्रवृत्तियों की जानकारी देना।
3. तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचित कराना।
4. पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।

UNIT-1 18Hours	स्वच्छन्दतावादी काव्य की पृष्ठभूमि और प्रवृत्तियाँ छायावदी काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ, छायावादी कवि और काव्य
UNIT-2 18Hours	कामायनी – जयशंकर प्रसाद (चिंता, आशा एवं श्रद्धा सर्ग)
UNIT-3 18Hours	अनामिका – निराला (राम की शक्तिपूजा, सरोज स्मृति)
UNIT-4 18Hours	सुमित्रानंदन पंत : नौका विहार, ताज, भारतमाता, परिवर्तन,
UNIT-5 18Hours	महादेवी वर्मा : बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ, मै नीर भरी दुख की बदली, धीरे–धीरे उतर क्षितिज से आ बसंत रजनी, यह मंदिर का दीप इसे नीरव जलने दो, पिक हौल–हौले बोल पंथ होने दो अपरिचित, रे पपीहे पी कहां, क्या जलने की रीति सलभ, प्रिय पथ के यह शूल चुभते ही तेरा अरूण बान

अनुशंसित ग्रंथ

1. जयशंकर प्रसाद – नंददुलारे वाजपेयी
2. कामायनी : एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध
3. छायावाद – नामवर सिंह
4. छायावाद की प्रासंगिकता – रमेशचंद्र शाह
5. हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – द्वारिका प्रसाद सक्सेना
6. आधुनिक हिंदी काव्य में रूप विधाएँ – डॉ निर्मला जैन
7. कामायनी में काव्य संस्कृति और दर्शन – डॉ द्वारिका प्रसाद सक्सेना
8. कामायनी : इतिहास और रूपक – सुशीला शर्मा
9. नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर – डॉ संतोष कुमार तिवारी
10. क्रांतिकारी कवि निराला – डॉ बच्चन सिंह
11. निराला : आत्महंता आस्था – डॉ दूधनाथ सिंह
12. आज के प्रतिनिधि कवि – राजकिशोर यादव
13. नई कविता की भूमिका – श्री अंजनी कुमार
14. नई कविता की वैचारिक परिप्रेक्ष्य – डॉ. जीवन प्रकाश जोशी
15. नई कविता : संस्कार और शिल्प – डॉ. रमाशंकर मिश्र
16. कामायनी का संसार – डॉ. प्रेमशंकर
17. कामायनी : अध्ययन की समस्यायें – डॉ. नगेन्द्र
18. मैथलीशरण गुप्त व्यक्तित्व एवं कृतित्व – डॉ. कमला कान्त पाठक
19. आँसू : काव्य और शैली – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि
20. आधुनिक कविता के प्रतिमान – डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी
21. स्वच्छन्दतावादी काव्य – डॉ. प्रेमशंकर

COURSE CODE:HNDB05		COURSE TYPE: ECC/CB
COURSE TITLE **स्वातंत्र्योत्तर काव्य**		
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. **छात्रों को स्वातंत्र्योत्तर हिंदी काव्य से परिचित कराना।**
2. **स्वातंत्र्योत्तर काव्य की प्रवृत्तियों की जानकारी देना।**
3. **तत्कालीन प्रमुख कवि तथा उनकी कृतियों से परिचित कराना।**
4. **पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।**

UNIT-1 18Hours	अज्ञेय – मैने देखा एक बूंद, जरा व्याध, सर्जना के क्षण मूक्तिबोध – भूल गलती, ब्रम्ह राक्षस
UNIT-2 18Hours	नागार्जुन – बहोत दिनों के बाद, बादल को घिरते देखा है त्रिलोचन – चंपा काले–काले अक्षर नहीं चीन्हती, नदी – कामधेनु, मैं उस जनपद का कवि हूँ
UNIT-3 18Hours	शमशेर बहादुर सिंह – एक पीली शाम, टुटी हुई बिखरी हुई, सूर्यास्त सर्वेश्वर दयार सक्शेना – काठ की धण्टियाँ, लोहिया के न रहने पर, संत बानी
UNIT-4 18Hours	केदारनाथ अग्रवाल – एक हथौडे वाला घर में और हुआ केदारनाथ सिंह – अकाल में सारस, चुप्पियाँ
UNIT-5 18Hours	धूमिल – मेरी कविता, मोचीराम, कवि – 1970 लीलाधर जगूडी – अंर्तदेशिय, जनता की जमीन पर रोज आना, स्त्री प्रत्यय पाठ्यग्रन्थ – समकालीन कविता – डॉ. मालती तिवारी

अनुशंसित ग्रंथ	1. नई कविता नये कवि – विशम्भर मानव 2. आधुनिक हिंदी काव्यधारा – डॉ.सरजू प्रसाद मिश्र 3. कविता के नये प्रतिमान – डॉ.नामवर सिंह 4. समकालीन कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी 5. साठोत्तरी हिंदी कविता की परिवर्तित दिशाएँ – विजय कुमार 6. आधुनिक साहित्य – आ. नंद दुलारे वाजपेयी 7. समकालीन काव्य यात्रा – नंद किशोर नवल 8. कविता और संवेदना – विजय बहादुर सिंह 9. कविता का जनपद – सं अशोक वाजपेयी 10. कविता : पहचान का संकट – नंद किशोर नवल 11. प्रयोगवाद के पुरस्कर्ता कवि और अज्ञेय – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि

M.A. in HINDI

(SECOND SEMESTER)

COURSE CODE: HND B01 **COURSE TYPE : ECC/CB**

COURSE TITLE: ENVIRONMENTAL AND FOREST LAWS

CREDIT: 06	**HOURS : 90**
THEORY: 06	**THEORY: 90**

MARKS : 100

THEORY: 70 **CCA : 30**

OBJECTIVE:

- Understands the concept and place of research in concerned subject
- Gets acquainted with various resources for research
- Becomes familiar with various tools of research
- Gets conversant with sampling techniques, methods of research and techniques of analysis of data
- Achieves skills in various research writings
- Gets acquainted with computer Fundamentals and Office Software Package .

UNIT - 1

18 Hrs

EVOLUTION OF FOREST AND WILD LIFE LAWS

a) Importance of Forest and Wildlife

b) Evolution of Forest and Wild Life Laws

c) Forest Policy during British Regime

d) Forest Policies after Independence.

e) Methods of Forest and Wildlife Conservation.

UNIT - 2 18 Hrs	**FOREST PROTECTION AND LAW** a) Indian Forest Act, 1927 b) Forest Conservation Act, 1980 & Rules therein c) Rights of Forest Dwellers and Tribal c) The Forest Rights Act, 2006 d) National Forest Policy 1988
UNIT - 3 18 H rs	**WILDLIFE PROTECTION AND LAW** a) Wild Life Protection Act, 1972 b) Wild Life Conservation strategy and Projects c) The National Zoo Policy
UNIT - 4 18 Hrs	**CHAPTER – BASIC CONCEPTS** a. Meaning and definition of environment. b. Multidisciplinary nature of environment c. Concept of ecology and ecosystem d. Importance of environment e. Meaning and types of environmental pollution. f Factors responsible for environmental degradation. **CHAPTER– INTRODUCTION TO LEGAL SYSTEM** a. Acts, Rules, Policies, Notification, circulars etc b. Constitutional provisions on Environment Protection c. Judicial review, precedents d. Writ petitions, PIL and Judicial Activism **CHAPTER – LEGISLATIVE FRAMEWORK FOR POLLUTION CONTROL LAWS** a) Air Pollution and Law. b) Water Pollution and Law. c) Noise Pollution and Law.

UNIT - 5

18 Hrs

CHAPTER- LEGISLATIVE FRAMEWORK FOR ENVIRONMENT PROTECTION

a) Environment Protection Act & rules there under

b) Hazardous Waste and Law

c) Principles of Strict and absolute Liability.

d) Public Liability Insurance Act

e) Environment Impact Assessment Regulations in India

CHAPTER – ENVIRONMENTAL CONSTITUTIONALISM

a. Fundamental Rights and Environment

i) Right to Equality …….Article 14

ii) Right to Information ……Article 19

iii) Right to Life ……..Article 21

iv) Freedom of Trade vis-à-vis Environment Protection

b. The Forty-Second Amendment Act

c. Directive Principles of State Policy & Fundamental Duties

d. Judicial Activism and PIL

SUGGESTED READINGS

Bharucha, Erach. Text Book of Environmental Studies. Hyderabad : University Press (India) Private limited, 2005.

Doabia, T. S. Environmental and Pollution Laws in India. New Delhi: Wadhwa and Company, 2005.

Joseph, Benny. Environmental Studies, New Delhi: Tata McGraw-Hill Publishing Company Limited, 2006.

Khan. I. A, Text Book of Environmental Laws. Allahabad: Central Law Agency, 2002.

Leelakrishnan, P. Environmental Law Case Book. 2nd Edition. New Delhi: LexisNexis Butterworths, 2006.

Shastri, S. C (ed). Human Rights, Development and Environmental Law, An Anthology. Jaipur: Bharat law Publications, 2006.

Environmental Pollution by Asthana and Asthana, S,Chand Publication

Environmental Science by Dr. S.R.Myneni, Asia law House

Gurdip Singh, Environmental Law in India (2005) Macmillan.

Shyam Diwan and Armin Rosencranz, Environmental Law and Policy in India –

Cases, Materials and Statutes (2nd ed., 2001) Oxford University Press.

JOURNALS :-

Journal of Indian Law Institute, ILI New Delhi.

Journal of Environmental Law, NLSIU, Bangalore.

MAGAZINES :-

Economical and Political Weekly

Down to Earth .

COURSE CODE:HND301		COURSE TYPE: CCC
COURSE TITLE **हिंदी निबंध एवं अन्य गद्य विधाए**		
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. **हिंदी गद्य साहित्य के विकासक्रम की जानकारी।**
2. **गद्य की प्रमुख विधाओं के तात्विक स्वरूप का परिचय देना।**
3. **विधा विशेष के तात्विक स्वरूप एवं ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढ़ाना।**
4. **रचना के आस्वादन एवं समीक्षा की क्षमता विकसित करना।**

UNIT-1/Hours	सरदार पूर्ण सिंह – सच्ची वीरता (निबंध) आचार्य रामचंद्र शुक्ल – कविता क्या है, काव्य में लोक मंगल की साधनावस्था (निबंध) पाठ्यग्रन्थ – हिन्दी निबंध नवनीत – डॉ. राधेश्याम दुबे
UNIT-2/Hours	आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी – अशोक के फूल, भारतीय संस्कृति की देन, साहित्यकारों का दायित्व (निबंध) डॉ. कुबेरनाथ राय–सूर्य और अतिसूर्य (निबंध)
UNIT-3/Hours	महादेवी वर्मा – सबिया (रेखाचित्र) अमृत लाल नागर – डॉ. रामबिलास शर्मा – एक संस्मरण (संस्मरण) अमृत राय – कलम का सिपाही (जीवनी)
UNIT-4/Hours	अज्ञेय – मौत की घाटी (यात्र संस्मरण) मोहन राकेश – स्मृति की एक रील (डायरी) हरिबंश राय बच्चन – कायस्थ पाठशाला का एक दिन (आत्मकथा)

UNIT-5/Hours	बटरोही – लक्ष्मण प्रसाद विष्ट – इलाहाबाद (रूपक) आर्य प्रसाद त्रिपाठी – कुशगुन लंक अवध अति सोकू (शब्दचित) पाठ्यग्रन्थ – हिन्दी गद्य विधायन – डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी
अनुशंसित ग्रंथ	1. साहित्यकार की आस्था तथा अन्य निबंध – महादेवी वर्मा 2. हिंदी निबंध और निबंधकार – डॉ ठाकुर प्रसाद सिंह 3. हिंदी के प्रमुख निबंधकार : रचना और शिल्प – डॉ गणेश वर्मा 4. हिंदी रेखाचित्र – हरवंश लाल शर्मा 5. हिन्दी निबंध नवनीत – डॉ. राधेश्याम दुबे 6. हिंदी रेखाचित्र : सिद्धांत और विकास – मक्खन लाल शर्मा 7. रेखाचित्र : स्वरूप और समीक्षा – डॉ.विश्वनाथ प्रताप सिंह 8. हिंदी यात्रा साहित्य – संपादन डॉ.तुकाराम पाटील तथा डॉ नीलाबोवर्णकर 9. हिन्दी गद्य विधायन – डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी 10. हिन्दी का गद्य साहित्य – डॉ. रामचन्द्र तिवारी

COURSE CODE:HND302	COURSE TYPE: CCC
COURSE TITLE **छायावादोत्तर हिंदी काव्य**	
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90 PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY: PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. छात्रों को छायावादोत्तर हिंदी काव्य की प्रवृत्तियों का परिचय कराना।
2. छायावादोत्तर हिंदी काव्य के विकासक्रम से परिचित कराना।
3. छायावादोत्तर हिंदी काव्य के तात्कालिक स्वरूप एवं विकासक्रम के परिप्रेक्ष्य में रचनाओं के आस्वादन, अध्ययन और मूल्यांकन की दृष्टि देना।

UNIT-1 18 Hours	चाँद का मुँह टेढ़ा है : मुक्तिबोध (अंधेरे में)
UNIT-2 18 Hours	आँगन के पार द्वार : अज्ञेय (असाध्यवीणा)
UNIT-3 18 Hours	प्रतिनिधि कविताएँ : नागार्जुन(मेरी भी आभा है इसमें, यह तुम थी, शासन की बंदूक, तीनों बंदर बापू के)
UNIT-4 18 Hours	त्रिकाल संध्या, सतपुड़ा के घने जंगल : भवानी प्रसाद मिश्र

UNIT-5 **18 Hours**	संशय की एक रात : नरेश मेहता(प्रथम सर्ग)
अनुशंसित ग्रंथ	1समकालीन हिंदी कविता – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी 2. समकालीन कविता का यथार्थ – परमानंद श्रीवास्तव 3. समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ – रामकली सराफ 4 हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि – द्वारिका प्रसाद सक्सेना 5 नई कविता के प्रमुख हस्ताक्षर – डॉ.संतोष कुमार तिवारी 6 नई कविता के नये कवि – विश्वंभर मानव 7. समकालीन कविता – डॉ.सूरज प्रसाद मिश्र 8 कविता के नये प्रतिमान – डॉ.नामवर सिंह 9. समकालीन कविता का व्याकरण – परमानंद श्रीवास्तव 10. साठोत्तरी हिंदी कविता की परिवर्तित दिशाएँ – विजय कुमार 11. आधुनिक हिंदी काव्यधारा – डॉ.सूरज प्रसाद मिश्र 12 कविता का अर्थ – परमानंद श्रीवास्तव 13. अथातो काव्य जिज्ञासा – डॉ. मंजुल भगत 14. नई कविता की चेतना – डॉ. जगदीश कुमार 15. नागार्जुन एक लंबी जिरह – विष्णुचंद्र शर्मा 16. नागार्जुन जीवन और साहित्य – डॉ.प्रकाश चंद्र भट्ट 17 नागार्जुन का काव्य एक पड़ताल – भगवान तिवारी 18 अज्ञेय और नई कविता – चंद्रकला त्रिपाठी 19. प्रयोगवाद के पुरस्कर्ता कवि और अज्ञेय – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि

COURSE CODE:HND303		COURSE TYPE: CCC
COURSE TITLE **पाश्चात्य काव्यशास्त्र**		
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

छात्रों को पाश्चात्य साहित्यशास्त्र का परिचय देना।

2. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के विकासक्रम का परिचय देना।
3. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों को ज्ञान कराना।
4. पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के सिद्धांतों में साम्य, वैषम्य एवं उसके कारणों का ज्ञान कराना।
5. नई समीक्षा के सिद्धांतों का ज्ञान कराना।
6. आलोचना की विविध प्रणालियों तथा नई अवधारणाओं का परिचय देना।
7. साहित्यशास्त्रीय अध्ययन के माध्यम से छात्रों के समीक्षात्मक दृष्टि विकसित करना।

UNIT-1 18 Hours	पाश्चात्य साहित्यशास्त्र के विकासक्रम का परिचय।
UNIT-2 18 Hours	प्रमुख पाश्चात्य साहित्य –आचार्य अ. प्लेटो–काव्यसिद्धांत, अनुकरण सिद्धांत। ब. अरस्तू के काव्य सिद्धांत–अनुकरण सिद्धांत व्याख्या, प्लेटो और अरस्तू की अनुकरण विषयक धारणा, दोनों के अनुकरण विषयक विचारों की तुलना। विरेचन सिद्धांत : स्वरूप विवेचन तथा व्याख्याएँ, विवेचन का महत्व, त्रासदी विवेचन। लोंजाइनस – लोंजाइनस द्वारा उदात्त की व्याख्या, उदात्त के अंतरंग, बहिरंग तल, काव्य में उदात्त का महत्व, लोंजाइनस का योगदान। आई.ए.रिचर्डस् – रिचर्डस् का मनौवैज्ञानिक मूल्यवाद और संप्रेषण सिद्धांत, काव्य मूल्यों की मनोवैज्ञानिक व्याख्या, संप्रेषण सिद्धांत की परिभाषा और स्वरूप,संप्रेषण सिद्धांत का महत्व, रिचर्डस् का योगदान।
UNIT-3 18 Hours	इलियट – इलियट का निर्वैयक्तिकता सिद्धांत और वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत, इलियट की निर्वैयक्तिकता संबंधी धारणा, वस्तुनिष्ठ प्रतिरूपता सिद्धांत का स्वरूप, इलियट का योगदान। क्रोचे – क्रोचे का अभिव्यंजनावाद, स्वरूप विवेचन, कला के साथ का संबंध, अभिव्यंजनावाद और वक्रोक्ति सिद्धांत। वड्सवर्थ – वड्सवर्थ का काव्य भाषा का सिद्धांत। जॉन ड्राइडन : युग परिवेश और आलोचना सिद्धांत। मैथ्यू आर्नाल्ड – मैथ्यू आर्नाल्ड : कला और नैतिकता।

UNIT-4 18 Hours	साहित्य सिद्धांत और विचारधाराएँ अभिजात्यवाद और स्वच्छंदतावाद, मनोविश्लेषणवादी आलोचना, मार्क्सवा आलोचना, साहित्य चिंतन के विविधवाद, साहित्य अध्ययन की प्रमुख पद्धतियाँ, अस्तित्ववाद, आधुनिकताव और उत्तर आधुनिकतावाद।
UNIT-5 18 Hours	विभिन्न साहित्य विधाओं की समीक्षा – उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध, आलोचना : परिभाष स्वरूप, तत्व और प्रकार।
अनुशंसित ग्रंथ	1. अरस्तू का काव्यशास्त्र – डॉ. नगेंद्र 2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. देवेंद्रनाथ शर्मा 3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत – डॉ. कृष्णदेव शर्मा 4. पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत विवेचन – डॉ. ओमप्रकाश शर्मा 5. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन – डॉ. बच्चन सिंह 6. आधुनिक समीक्षा – डॉ.भगवतस्वरूप मिश्र 7. पाश्चात्य साहित्यालोचन एवं हिंदी पर उसका प्रभाव – डॉ.रवींद्र सहाय वर्मा 8. तुलनात्मक साहित्यशास्त्र – डॉ.विष्णुदत्त राकेश 9. पाश्चात्य साहित्य चिंतन – निर्मला जैन 10. नई समीक्षा के प्रतिमान – निर्मला जैन 11. पाश्चात्य समीक्षाशास्त्र : सिद्धांत और परिदृश्य – डॉ.नगेंद्र 12. कविता के नए प्रतिमान – नामवर सिंह 13. आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह 14. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका – मैनेजर पाण्डेय 15. हिंदी आलोचना के नए वैचारिक सरोकार – डॉ.कृष्णदत्त पालीवाल 16. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ – डॉ. सत्यदेव मिश्र 17. उत्तर आधुनिक साहित्यिक विमर्श – सुधीश पचौरी 18. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ.सुरेश कुमार जैन 19. उत्तर आधुनिकता : कुछ विचार – सं. देवीशंकर 'नवीन' 20. समीक्षालोक – डॉ. भगीरथ दीक्षित 21. पाश्चात्य समीक्षा दर्शन – जगदीश चन्द्र जैन 22. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. भगीरथ मिश्र

COURSE CODE:HNDC 02 **ECC/CB**	**COURSE TYPE:**
COURSE TITLE **हिंदी आलोचना**	
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:** **PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. छात्रों को समीक्षा से परिचित कराना।
2. छात्रों को समीक्षा साहित्य की जानकारी देना।
3. तत्कालीन प्रमुख समीक्षकों तथा उनकी कृतियों से परिचित कराना।
4. पाठ्य कृतियों के संदर्भ में समीक्षा की क्षमता बढ़ाना।

UNIT-1 18 Hours	आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचाय हजारी प्रसाद द्विवेदी,
UNIT-2 18 Hours	आचाय नंद दुलारे वाजपेयी प्रेमचंद (साहित्य चिंतक)
UNIT-3 18 Hours	प्रसाद, निराला (साहित्य चिंतक)

UNIT-4 18 Hours	अज्ञेय, मुक्तिबोध (सांहित्य चिंतक)
UNIT-5 18 Hours	डॉ. रामविलास शर्मा, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. नामवर सिंह
अनुशंसित ग्रंथ	1. हिंदी आलोचना – विश्वनाथ त्रिपाठी 2. हिंदी आलोचना का विकास – नंदकिशोर नवल 3. हिंदी आलोचक : शिखरों का साक्षात्कार – रामचंद्र तिवारी 4. आलोचक के बदलते मानदण्ड और हिंदी साहित्य – शिवकरण सिंह 5. आलोचक और आलोचना – बच्चन सिंह 6. रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना – रामविलास शर्मा 7. दूसरी परंपरा की खोज – नामवर सिंह 8. साहित्य का नया शास्त्र – गिरिजा राय 9. हिन्दी आलोचना और हिन्दी नवरत्न – डॉ. राधेश्याम दुबे, डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि

COURSE CODE:HNDC 02 ECC/CB		COURSE TYPE:
COURSE TITLE **हिंदी साहित्य और भारतीय संस्कृति**		
CREDIT: THEORY: 6PRACTICAL:NA	HOURS: 90 THEORY: 90	PRACTICAL:
MARKS: THEORY: 70+30PRACTICAL:	MARKS THEORY:	PRACTICAL:

OBJECTIVE:

1. छात्रों को हिंदी साहित्य के अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य से परिचित कराना।
2. हिंदीतर भाषाओं के साहित्य का स्थूल परिचय देना।
3. भारतीय साहित्य में व्यक्त भारतीयता की पहचान कराना।
4. हिंदी में अनूदित साहित्य परिचय देना।
5. साहित्यिक अनुवाद के आस्वादन एवं मूल्यांकन को विकसित कराना।

UNIT-1 18 Hours	वेदों और उपनिषदों का सामान्य स्वरूप और उसका भारतीय साहित्य पर प्रभाव, रामायण, महाभारत, पुराण का सामान्य परिचय और भारतीय साहित्य पर उसका प्रभाव ।
UNIT-2 18 Hours	बौद्ध और जैन धर्म का भारतीय साहित्य पर प्रभाव, वेदांत–शंकर, रामानुज, वल्लभ आदि मध्यकालीन दार्शनिकों का अवदान, शैवमत तथा मध्यकालीन साहित्य पर उसका प्रभाव
UNIT-3 18 Hours	भागवत सम्प्रदाय और वैष्णव मत और मध्यकालीन साहित्य पर उसका प्रभाव, इस्लाम और सूफी मत – भारतीय साहित्य और संस्कृति पर प्रभाव, भक्ति आंदोलन और भारतीय साहित्य।

UNIT-4 18 Hours	स्वाधीनता आंदोलन और भारतीय नवजागरण तथा भारतीय साहित्य पर उसका प्रभाव; भारतीय साहि राष्ट्रीयता, गांधीवाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद और अस्तित्ववाद का प्रभाव।
UNIT-5 18 Hours	आधुनिक युग में भारतीय साहित्य – साहित्य रूपों में परिवर्तन : कविता, नाटक, कथासाहित्य। सुब्रहमण भार गिरीश कर्नाड, तथा भैरपा का महत्व।
अनुशंसित ग्रंथ	1. भारतीय साहित्य – सं. डॉ.नगेंद्र 2. भारतीय साहित्य का इतिहास – डॉ. बलदेव उपाध्याय 3. भारतीय दर्शन – डॉ. बलदेव उपाध्याय 4. भागवत सम्प्रदाय – डॉ. बलदेव उपाध्याय 5. सूफीमत – साधना और साहित्य – डॉ. रामपूजन तिवारी 6. संस्कृति के चार अध्याय – दिनकर 7. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – डॉ. रामविलास शर्मा 8. भारतीय चिंतन परंपरा – के. दामोदरन 9. आधुनिक भारतीय चिंतन – डॉ. विश्वनाथ नरवणे 10. आज का भारतीय साहित्य – सं. साहित्य अकादमी 11. बंगला साहित्य का इतिहास – डॉ. बनर्जी 12. हिंदी साहित्य के विकास में दक्षिण का योगदान – सं. रेड्डी राव/अप्पल राजु 13. भारतीय साहित्यकारों से साक्षात्कार – डॉ. रणवीर रांग्रा 14. भारतीय साहित्य विमर्श – सं. रामजी तिवारी 15. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – सं. डॉ. नगेंद्र 16. भारतीयता की पहचान – डॉ. विद्यानिवास मिश्र 17. भारतीय साहित्य : अवधारणा, स्वरूप और समस्याएँ – के सच्चिदानंद

COURSE CODE:HNDC04		COURSE TYPE: ECC/CB
COURSE TITLE दृश्य श्रव्य माध्यम लेखन		
CREDIT: **THEORY: 6**	**PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30**	**PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

भाषा के प्रयोजनपरक आयाम का सम्बन्ध हमारे सामाजिक आवश्यकताओं और जीवन व्यवहार से होता है और व्यक्तिपरक होकर भी जो समाज –सापेक्ष सेवा माध्यम (सर्विस–टूल्स) के रूप में प्रयुक्त होता है। जीवन और समाज की विभिन्न आवश्यकताओं और दायित्यों की पूर्ति के लिए विभिन्न व्यवहार क्षेत्रों (डोमेन) में उपयोग की जाने वाली हिन्दी प्रयोजनमूलक हिन्दी **है।**

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को कार्यालयों में कर्णिक के रूप में और भाषा अधिकारी के रूप में रोजगार पाने की प्रबल संभावना रहती है इसके साथ–साथ अन्यान्य क्षेत्रों में भी नौकरी मिलने की संभावना रहती है।

UNIT-1 **18 Hours**	समकालीन जनसंचार माध्यम – 1. मुद्रित माध्यम, 2. टेलीविजन 3. रेडियो 4. सिनेमा 5. इन्टरनेट 6. पारंपरिक संचार।
UNIT-2 **18 Hours**	माध्यम लेखन (मीडिया राइटिंग) के प्रमुख प्रकार – 1. समाचार लेखन, 2. फीचर (अखबारी फीचर, रेडियो फीचर, टी.वी. फीचर 3. रिपोर्ताज 4. साक्षात्कार 5. परिचर्चा 6. संस्मरण 7. रेखांकन 8. पटकथा 9. संवाद 10. रेडियो वार्ता 11. ध्वनि नाटक 12. समीक्षा 13 कार्टून 14. ग्राफिक्स 15. प्रोफाइल आर्ट और फीचर सिण्डीकेट।
UNIT-3 **18 Hours**	व्यावसायिक लेखन मीडिया लेखन की प्रमुख संस्थाएँ। माध्यम लेखन की भाषिक संरचना। श्रव्य माध्यम (रेडियो) की भाषिक प्रकृति, मानक वर्तनी, लिपि, उच्चारण एवं व्याकरण, ध्वनि संयोजन।

UNIT-4 18 Hours	हिन्दी भाषा के विकास में रेडियो का अवदान विजुअल रेडियो की संकल्पना। श्रव्य, दृश्य पाठ्य माध्यम के रूप में टेलीविजन का विकास, दृश्य भाषा की विशेषताएँ। कैमरे की भाषा और देहभाषा। इण्टरनेट में सामग्री का अनुसृजन।
UNIT-5 18 Hours	प्रमुख हिन्दी धारावाहिकों, वृत्तचित्रों एवं फिल्मों के आधार पर मीडिया की भाषिक संवेदना का विश्लेषण। मीडिया लेखन की समस्याएँ और व्यावहारिक समाधान।
अनुशंसित ग्रंथ	**1.** मीडिया लेखन – सुमित मोहन **2.** फीचर लेखन – डॉ.विजय कुलश्रेष्ठ **3.** फीचर लेखन – स्वरूप और शिल्प – डॉ. मनोहर प्रभाकर **4.** समाचार फीचर लेखन एवं सम्पादन कला – डॉ. हरिमोहन **5.** हिन्दी फिल्मों में साहित्यिक उपादान – डॉ.विश्वनाथ मिश्र **6.** हिन्दी इण्टरव्यू : उद्‌भव और विकास – डॉ.विष्णु पंकज **7.** हिन्दी समाचर बुलेटिन (भाषा के कुछ आयाम) – भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली। **8.** हिन्दी विज्ञान पत्रकारिता – मनोज कुमार पटेरिया **9.** साक्षात्कार–मनोज कुमार **10.** भेंटवार्ता और प्रेस कान्फ्रेंस – डॉ. नन्द किशोर त्रिखा **11.** व्यावसायिक हिन्दी – डॉ.एस.एम. शुक्ल **12.** इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित पाठ्य सामग्री। **13.** फोटो पत्रकारिता – डॉ.गुलाब कोठारी **14.** सामाजिक सर्वेक्षण – अनुसंधान की अन्वेषण पद्धतियाँ–डॉ.सी.एल.शर्मा **15.** मीडिया शोध – प्रो. मनोज दयाल **16.** मीडिया लेखन – सुमित मोहन **17.** संचार और विकास – श्यामाचरण दुबे, प्रकाशन विभाग **18.** रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता – डॉ. हरिमोहन **19.** टेलीविजन की दुनिया – प्रभु झिंगरन **20.** संचार क्रान्ति और हिन्दी पत्रकारिता – डॉ.अशोक कुमार शर्मा **21.** दूरदर्शन : हिन्दी के प्रयोजनमूलक विविध प्रयोग – डॉ.कृष्ण कुमार रत्तू **22.** जनसंचार और पत्रकारिता – डॉ.राकेश शर्मा **23.** संचार माध्यम पत्रिका – भारतीय जनसंचार संस्थान, नई दिल्ली। **24.** संस्कृति विकास और संचार क्रांति– पूरनचंद्र जोशी **25.** इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित सामग्री **26.** दूरदर्शन सिनेमा – अभय छजलानी **27.** रेडियो डाक्यूमेन्ट्री – सत्यप्रकाश हिन्दवाण

	28. सिनेमा और साहित्य – हरीश कुमार **29.** सिनेमा की संवेदना – विजय अग्रवाल **30.** सिनेमाई भाषा और हिन्दी संवादों का विश्लेषण – डॉ.किशोर वासवानी **31.** हिन्दी फिल्मों में साहित्यिक उपादान – डॉ.विश्वनाथ मिश्र **32.** सदी का सिनेमा – सं. मृत्युंजय

COURSE CODE:HNDC05	**COURSE TYPE: ECC/CB**
COURSE TITLE **हिन्द नाटक एवं रंगमंच**	
CREDIT: **THEORY: 6** **PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30** **PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:** **PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. **गद्य की प्रमुख विधाओं के तात्विक स्वरूप का परिचय देना।**
2. **नाटक एवं रंगमंच के विकासक्रम की जानकारी देना।**
3. **विधा विशेष के तात्विक स्वरूप एवं ऐतिहासिक विकास के परिप्रेक्ष्य में रचना विशेष का महत्व समझने एवं मूल्यांकन करने की क्षमता बढ़ाना।**
4. **रचना के आस्वादन एवं समीक्षण की क्षमता विकसित करना।**

UNIT-1 18 Hours	हिन्दी नाटक का उद्‌भव विकास, नाटक के भेद एवं तत्व प्रमुख एकांकी – औरंगजेब की आखरी रात – रामकुमार वर्मा विष कन्या – गोविन्द बल्लभ पन्त
UNIT-2 18 Hours	अंधेर नगरी – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र
UNIT-3 18 Hours	ध्रुवस्वामिनी – जयशंकर प्रसाद

UNIT-4 18 Hours	अंधा युग – धर्मबीर भारती
UNIT-5 18 Hours	आधे–अधूरे – मोहन राकेश
अनुशंसित ग्रंथ	1. हिंदी नाटक : उद्भव और विकास – दशरथ ओझा 2. पहला रंग – देवेंद्र नाथ अंकुर 3. रंगपरंपरा – नेमीचंद्र जैन 4. एकांकी सप्तक – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि 5. जयशंकर प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन – जगन्नाथ शर्मा 6. नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान – वशिष्ठनारायण त्रिपाठी 7. हिंदी नाट्यशास्त्र का स्परूप – डॉ.नरबदेश्वर राय 8. रंग हबीन – भारत रत्न भार्गव 9. नाटक और रंग परिकल्पना – डॉ. गिरीश रस्तोगी 10. समकालीन हिंदी नाटक की संघर्ष चेतना – डॉ. गिरीष रस्तोगी 11. रंगमंच और नाटक की भूमिका – लक्ष्मीनारायण लाल 12. हिंदी नाटक – बच्चन सिंह 13. भारतीय नाट्य साहित्य – डॉ नगेंद्र 14. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी रंगमंच : समस्या और उपलब्धि – डॉ ओ पी शर्मा 15. हिन्दी नाट्य साहित्य के चतुःस्तम्भ – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि

COURSE CODE:HNDC06		COURSE TYPE: ECC/CB	
COURSE TITLE **लोक साहित्य**			
CREDIT: **THEORY: 6**	**PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30**	**PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. **छात्रों को लोकसाहित्य के स्वरूप तथा उसके अध्ययन के महत्व से परिचित कराना।**
2. **लोक साहित्य की विभिन्न विधाओं की जानकारी देना।**
3. **लोक साहित्य का महत्व समझाकर उसके विशेष अध्ययन के लिए प्रेरित करना।**
4. **मध्यप्रदेश के लोक साहित्य से परिचित कराना।**

UNIT-1 18Hours	'लोक' शब्द की व्युत्पत्ति, स्वरूप, लोक साहित्य का स्वरूप, परिभाषाएँ तथा विशेषताएँ, लोक साहित्य और साहित्य में साम्य भेद, लोकवार्ता का स्वरूप,
UNIT-2 18Hours	लोक साहित्य का सामाजिक, आर्थिक, नैतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, राष्ट्रीय तथा भाषा शास्त्रीय दृष्टि से महत्व, लोक साहित्य और अन्य ज्ञानशाखाओं का परस्पर संबंध – इतिहास, पुरातत्व, मानव विज्ञान, समाज विज्ञान, मनोविज्ञान, भाषा विज्ञान, भूगोल, अर्थशास्त्र, धर्मशास्त्र, लोक साहित्य संकलन : उद्देश्य, संकलन की पद्धतियाँ, संकलनकर्ता की क्षमताएँ, संकलनकर्ता के लिए उपयुक्त साधन सामग्री, संकलनकर्ता की समस्याएँ व समाधान
UNIT-3 18Hours	**क–लोकगीत** : परिभाषाएँ, विशेषताएँ और प्रेरणा स्त्रोत, लोकगीत और शिष्टगीत में अंतर, लोकगीतों के वर्गीकर पद्धतियाँ, लोकगीतों का परिचय– सोहर, मुंडन, विवाह, गौना, होली, सावनगीत आदि;गड़रिया, चक्की की अ पबाड़ा, लावनी आदि; **ख–लोकगाथा** : परिभाषाएँ एवं स्वरूप, लोकगाथा के उत्पत्ति विषयक सिद्धांत, किसी एक लोकगाथा का स परिचय –ढोला–मारू रा दूहा, नल – दमयंती, लैला – मंजनू, हीर – राँझा, सोहनी –महिवाल, लोरिक – चंदा **ग–लोककथा** : परिभाषा एवं स्वरूप, विशेषताएँ, लोककथा में अभिप्राय का महत्व, लोककथा के उत्पत्ति वि सिद्धांत,लोककथाओं का वर्गीकरण, **घ–लोकनाट्य** :परिभाषा एवं स्वरूप, विशेषताएँ, लोकनाट्य और शास्त्रीय नाटक में अंतर, लोकनाट्यों का परि

	रामलीला, रासलीला, कीर्तन, यक्षगान, जात्रा, भवाई, ख्याल, माच, नौटंकी, कुचीपुड़ी, तमाशा, गोंधल।
UNIT-4 18Hours	**क–प्रकीर्ण लोकसाहित्यः** मुहावरे,कहावतें,पहेलियाँ, मुकरियाँ, सूक्तियाँ, ढकोसले, चुटकुले, मंत्र, टोना आदि का परि **ख–लोक साहित्य का कलापक्षः** भावव्यंजना, रसपरिपाक, भाषा, अलंकार–योजना, छंद–विधान, प्रतीकात्मकता दृष्टियों से विवेचन
UNIT-5 18Hours	छत्तीसगढ़ का लोक साहित्य (छत्तीसगढ़ी, सरगुजिया, हल्बी,गोंडी, कुरुख)
अनुशंसित ग्रंथ	1. लोक का आलोक – सं. पीयूष दहिया 2. लोक – सं. पीयूष दहिया 3. लोक साहित्य विज्ञान – डॉ. सत्येंद्र 4. लोक साहित्य की भूमिका – डॉ. धीरेंद्र वर्मा 5. लोक साहित्य का अध्ययन – त्रिलोचन पाण्डेय 6. हिंदी साहित्य का वृहत इतिहास (सोलहवाँ भाग) – नागरी प्रचारिणी सभा 7. ग्रामगीत – रामनरेश त्रिपाठी 8. भोजपुरी लोकसाहित्य – डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय 9. भारतीय लोक साहित्य – डॉ. श्याम परमार 10. लोक साहित्य : सिद्धांत और प्रयोग – डॉ. श्रीराम शर्मा 11. लोक साहित्य के प्रतिमान – डॉ. कुंदनलाल उप्रेंती 12. खड़ी बोली का लोकसाहित्य – डॉ. सत्यगुप्त 13. लोकवार्ता और लोकगीत – डॉ. सत्येंद्र 14. भोजपुरी साहित्य का इतिहास (सं) – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि 15. बघेली साहित्य का इतिहास – डॉ. आर्या प्रसाद त्रिपाठी

M.A. in HINDI **(THIRD SEMESTER)**	
COURSE CODE: **HNDC01**	**COURSE TYPE : ECC/CB**

COURSE TITLE: TRIBAL STUDIES	
CREDIT: 06 **THEORY: 06**	**HOURS : 90** **THEORY: 90**
MARKS : 100 **THEORY: 70 CCA : 30**	

OBJECTIVE:

- Understands the concept and place of research in concerned subject
- Gets acquainted with various resources for research
- Becomes familiar with various tools of research
- Gets conversant with sampling techniques, methods of research and techniques of analysis of data
- Achieves skills in various research writings
- Gets acquainted with computer Fundamentals and Office Software Package .

UNIT - 1 12 Hrs	**Tribal Studies :** Meaning, Nature, Scope, Need & importance of tribal studies. Meaning, Definition & characteristics of Tribe, Caste & Race.
UNIT - 2 24 Hrs	**Scheduled Tribe in India :** Population Composition of tribal, classification of Indian Tribe – Racial, Lingual, Geographical, Cultural. **Some Major Tribes in India :** Santhal, Khasi, Munda, Bhils. **Some Major Tribes in Central India :** Gond, Baiga, Bharia, Korkus.
UNIT - 3 10 H rs	**Iliteracy :**Poverty, Indebt ness, Unemployment, migration & Exploitation Environmental & Degradation. **Problem of Health and sanitation :** Prostitution, Culture Decay due to assimilation. Replacement & Rehabilitation of Tribal population.
UNIT - 4 24 Hrs	**Welfare-Concept, Characteristics:** Tribal Welfare in post independence period. Constitutional provision & safe guard after independence, Legislation & Reservation Policy.
UNIT - 5 20 Hrs	**Tribal Development Programs for Scheduled Tribes :** Medical, Education, Economy, Employment & Agriculture Evaluation of Programs **Tribal Welfare & Advisory Agencies in India :** Role of NGO's in tribal development, Role of Christian missionaries in tribal welfare & development. Tribal Welfare Administration.

SUGGESTED READINGS	*Tribal Development In India (Orissa)* by Dr. Taradutt *Books on Tribal studies* by PK Bhowmik *Books on 'Tribal Studies'* by W.G. Archer

M.A. in HINDI **(THIRD SEMESTER)**	
COURSE CODE: HND S02	**COURSE TYPE : OSC**
COURSE TITLE: INTELLECTUAL PROPERTY RIGHTS, HUMAN RIGHTS & ENVIRONMENT: BASICS	
CREDIT: 06 **THEORY: 06**	**HOURS : 90** **THEORY: 90**
MARKS : 100 **THEORY: 70 CCA : 30**	

OBJECTIVE:

- Understands the concept and place of research in concerned subject
- Gets acquainted with various resources for research
- Becomes familiar with various tools of research
- Gets conversant with sampling techniques, methods of research and techniques of analysis of data.

UNIT - 1 12 Hrs	• Patents :- Introduction & concepts, Historical Overview. • Subject matter of patent. • Kinds of Patents. • Development of Law of Patents through international treaties and conventions including TRIPS Agreement. • Procedure for grant of patents & term of Patent. • Surrender, revocation and restoration of patent. • Rights and obligations of Patentee • Grant of compulsory licenses • Infringement of Patent and legal remedies • Offences and penalties • Discussion on leading cases.

UNIT - 2 24 Hrs	• Meaning of Copyright, Historical Evolution, • Subject matter of copyright. • Literary works • Dramatic Works & Musical Works • Computer Programme • Cinematographic films • Registration of Copyrights • Term of Copyright and Ownership of Copyrights • Neighboring Rights • Rights of Performers & Broadcasters • Assignment of Copyright. • Author's Special Rights (Moral Rights) • Infringement of Copyrights and defenses • Remedies against infringement (Jurisdiction of Courts and penalties) • International Conventions including TRIPS Agreement WIPO, UCC, Paris Union, Berne Convention, UNESCO. • Discussion on leading cases.
UNIT - 3 10 H rs	• Rights: Meaning • Human Rights- Meaning & Essentials • Human Rights Kinds • Rights related to Life, Liberty, Equals & Disable
UNIT - 4 24 Hrs	• National Human Rights Commission • State Human Rights Commission • High Court • Regional Court • Procedure & Functions of High & Regional Court.
UNIT - 5 20 Hrs	• Right to Environment as Human Right • International Humanitarian Law and Environment • Environment and Conflict Management • Nature and Origin of International Environmental Organisations (IEOs) • Introduction to Sustainable Development and Environment • Sustainable Development and Environmental Governance
SUGGESTED READINGS	1. G.B.Reddy, *Intellectual Property Rights and Law,* Gogia Law Agency, Hyderabad. 2. S.R.Myneni, *Intellectual Property Law*, Eastern Law House, Calcutta 3. P Narayanan *Intellectual Property Rights and Law (1999)*, Eastern Law House, Calcutta, India 4. Vikas Vashistha, *Law and Practice of Intellectual Property*,(1999) Bharat Law House, New Delhi. 5. Comish W.R *Intellectual Property,3rd ed, (1996),* Sweet and Maxwell 6. P.S. Sangal and Kishor Singh, *Indian Patent System and Paris Convention,* 7. Comish W.R *Intellectual Property, Patents, Copyrights and Allied Rights, (2005)* *8.* Bibeck Debroy, *Intellectual Property Rights, (1998),* Rajiv Gandhi Foundation.

COURSE CODE:HND401		COURSE TYPE: CCC
COURSE TITLE **भारतीय साहित्य**		
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. छात्रों को हिंदी साहित्य के अखिल भारतीय परिप्रेक्ष्य से परिचित कराना।
2. हिंदीतर भाषाओं के साहित्य का स्थूल परिचय देना।
3. भारतीय साहित्य में व्यक्त भारतीयता की पहचान कराना।
4. हिंदी में अनूदित साहित्य परिचय देना।
5. साहित्यिक अनुवाद के आस्वादन एवं मूल्यांकन को विकसित कराना।

UNIT-1 18 Hours	आवरण – भैरप्पा (कन्नड़)
UNIT-2 18 Hours	खण्डोवल्लाल (मराठी) – श्रीधर पराड़कर, स्वराज संस्थान, भोपाल
UNIT-3 18 Hours	शिप्रा साक्षी है (हिन्दी) – शत्रुघ्न प्रसाद, साहित्य संसद, दिल्ली
UNIT-4 18 Hours	आनंदमठ (बांग्ला) – बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय

UNIT-5 **18 Hours**	आधुनिक भारतीय कविता – सें डॉ. नन्द किशोर पाण्डेय वि.वि. प्रकाशन, वाराणसी
अनुशंसित ग्रंथ	1. भारतीय साहित्य – सं. डॉ.नगेंद्र 2. भारतीय साहित्य का इतिहास – डॉ. बलदेव उपाध्याय 3. भारतीय दर्शन – डॉ. बलदेव उपाध्याय 4. भागवत सम्प्रदाय – डॉ. बलदेव उपाध्याय 5. सूफीमत – साधना और साहित्य – डॉ. रामपूजन तिवारी 6. संस्कृति के चार अध्याय – दिनकर 7. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ – डॉ. रामविलास शर्मा 8. भारतीय चिंतन परंपरा – के. दामोदरन 9. आधुनिक भारतीय चिंतन – डॉ. विश्वनाथ नरवणे 10. आज का भारतीय साहित्य – सं. साहित्य अकादमी 11. बंगला साहित्य का इतिहास – डॉ. बनर्जी 12. हिंदी साहित्य के विकास में दक्षिण का योगदान – सं. रेड्डी राव/अप्पल राजु 13. भारतीय साहित्यकारों से साक्षात्कार – डॉ. रणवीर रांग्रा 14. भारतीय साहित्य विमर्श – सं. रामजी तिवारी 15. भारतीय साहित्य का समेकित इतिहास – सं. डॉ. नगेंद्र 16. भारतीयता की पहचान – डॉ. विद्यानिवास मिश्र 17. संस्कृति की उत्तरकथा – शम्भुनाथ 18. भारतीय साहित्य : अवधारणा, स्वरूप और समस्याएँ – के सच्चिदानंद

COURSE CODE:HND402	COURSE TYPE: CCC
COURSE TITLE भारतीय मूलभाषा पालि	
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90** **PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:** **PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. भारत के मूल भाषा एवं प्रादेशिक भाषाओं के अंगों एवं विभिन्न शाखाओं का परिचय देना। पालिभाषा के सैद्धांतिक पक्ष से अवगत कराना।
2. भारतीय आर्य भाषाओं के ऐतिहासिक विकासक्रम की जानकारी देना।
3. साहित्य के अध्ययन में मूल एवं प्रादेशिक भाषाओं की उपयोगिता स्पष्ट कराना।
4. मूलभाषा एवं प्रादेशिक भाषा के शब्द भंडार एवं व्याकरणिक स्वरूप से परिचित कराना।

UNIT-1 18 Hours	यमक बग्गो, अप्प बग्गो, चित्त बग्गो, पुप्फ बग्गो पाठ्यग्रंथ – पालिभाषा : साहित्य और व्याकरण– डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि
UNIT-2 18 Hours	बाल बग्गो, अर्हन्त बग्गो, दण्ड बग्गो, जरा बग्गो
UNIT-3 18 Hours	सुंसुमार जातकम्, बानरिंद जातकम्, बक जातकम्
UNIT-4 18 Hours	सिहचम्म जातकम्, नच्च जातकम्, उलूक जातकम्

UNIT-5 **18 Hours**	पालिभाषा की ध्वनि व्यवस्था, संधि, समास, प्रत्यय, कारक, संख्या की परिगणना पाठ्यग्रंथ – पालिभाषा : साहित्य और व्याकरण– डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि
अनुशंसित ग्रंथ	1. पालि साहित्य का इतिहास – डॉ. भरत सिंह उपाध्याय। 2. पालि साहित्य का इतिहास – महापण्डित राहुल सांकृत्यायन। 3. पालि जातकावली – पण्डित बटुक नाथ शर्मा। 4. पालि व्याकरण – आचार्य कच्चायन । 5. पालि व्याकरण – भदन्त आनन्द कौशलायन। 6. पालिभाषा : साहित्य और व्याकरण– डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि।

COURSE CODE:HND403		COURSE TYPE: CCC
COURSE TITLE: **प्रयोजनमूलक हिंदी**		
CREDIT: THEORY: 6PRACTICAL:NA	HOURS: 90 THEORY: 90	PRACTICAL:
MARKS: THEORY: 70+30PRACTICAL:	MARKS THEORY:	PRACTICAL:

OBJECTIVE:

भाषा के प्रयोजनपरक आयाम का सम्बन्ध हमारे सामाजिक आवश्यकताओं और जीवन व्यवहार से होता है और व्यक्तिपरक होकर भी जो समाज –सापेक्ष सेवा माध्यम (सर्विस–टूल्स) के रूप में प्रयुक्त होता है। जीवन और समाज की विभिन्न आवश्यकताओं और दायित्यों की पूर्ति के लिए विभिन्न व्यवहार क्षेत्रों (डोमेन) में उपयोग की जाने वाली हिन्दी प्रयोजनमूलक हिन्दी है।

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को कार्यालयों में कर्णिक के रूप में और भाषा अधिकारी के रूप में रोजगार पाने की प्रबल संभावना रहती है इसके साथ–साथ अन्यान्य क्षेत्रों में भी नौकरी मिलने की संभावना रहती है।

UNIT-1 **18 Hours**	**इकाई प्रथम –**	हिंदी भाषा और उसके प्रयोजनमूलक रूप क– हिंदी भाषा के विविध रूप – सामान्य भाषा, मातृभाषा, माध्यम भाषा, संपर्क भाषा, अंतरराष्ट्रीय भाषा। ख– हिंदी के प्रयोजनमूलक भाषा रूप – प्रयोजनमूलक हिंदी : परिभाषा एवं स्वरूप, प्रयोजनमूलक हिंदी की विभिन्न प्रयुक्तियाँ।
UNIT-2 **18 Hours**	कार्यालयी, वाणिज्य–व्यवसाय की हिंदी	क– राजभाषा हिंदी : संवैधानिक प्रावधान, ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य। ख– कार्यालयी हिंदी : स्वरूप और विशेषताएँ ग– कार्यालयी लेखन : स्वरूप, प्रकार, टिप्पण, प्रारूपण, संक्षेपण, पल्लवन, प्रतिवेदन, अभ्यास। घ– सरकारी पत्राचार : स्वरूप, प्रकार, प्रारूप–परिपत्र, ज्ञापन, कार्यालय आदेश, अर्द्ध सरकारी पत्र। ङ– व्यावसायिक पत्रलेखन : स्वरूप, प्रकार, प्रारूप–आवेदनपत्र, नियुक्ति पत्र, माँगपत्र, साख पत्र, शिकायत पत्र।
UNIT-3 **18 Hours**	मीडिया लेखन :–	क– जनसंचार : – स्वरूप, महत्व और विभिन्न माध्यमों का परिचय। ख– श्रव्य माध्यम – लेखन : स्वरूप और विशेषताएँ, समाचार लेखन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा, फीचर लेखन। ग– दृश्य–श्रव्य माध्यम लेखनः स्वरूप और विशेषताएँ, पटकथालेखन, टेलीड्रामा, निवेदन, डॉक्यू ड्रामा, संवाद लेखन, साहित्य विधाओं का रूपांतरण। घ– विज्ञापन लेखन : विज्ञापन का स्वरूप और महत्व, भाषिक विशेषताएँ, विज्ञापन लेखन।

UNIT-4 18 Hours	कम्प्यूटर, इंटरनेट और हिंदी :– क– कम्प्यूटरः परिचय, रूपरेखा, हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर का सामान्य परिचय। ख– वेब पब्लिशिंग। ग– इंटरनेट का सामान्य परिचय। घ– हिंदी में उपलब्ध सुविधाओं का परिचय और उपयोग विधि। ङ– इंटरनेट पोर्टल, डाउन लोडिंग–अपलोडिंग,लिंक ब्राउजिंग, हिंदी सॉफ्टवेयर पैकेज आदि।
UNIT-5 18 Hours	अनुवाद : सिद्धांत और व्यवहार क– सिद्धांत पक्ष 1. अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि। 2. कार्यालयी हिंदी और अनुवाद। 3. वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में अनुवाद। ख– व्यावहारिक पक्ष 1. कार्यालयी अनुवाद, कार्यालयी एवं प्रशासनिक शब्दावली, प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ, पदनाम, विभाग। 2. विभिन्न भाषाओं के पत्रों का अनुवाद। 3. बैंक–साहित्य के अनुवाद का अभ्यास। ग– हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।
अनुशंसित ग्रंथ	प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद गदरे 2. प्रयोजनमूलक हिंदी – विनोद शाही 3. प्रयोजनमूलक हिंदी – डॉ. दंगल झाल्टे 4. हिंदी भाषा की संरचना – डॉ. भोलानाथ तिवारी 5. मानक हिंदी का शुद्धिपरक व्याकरण – डॉ. रमेशचंद्र मल्होत्रा 6. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धान्त और प्रयोग डॉ. दंगल झाल्टे 7. हिंदी विविध व्यवहारों की भाषा – सुवास कुमार 8. कामकाजी हिंदी – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया 9. व्यावहारिक हिंदी– कृष्ण विकल 10. व्यावसायिक हिंदी – डॉ. दिलीप सिंह 11. पारिभाषिक शब्दावली : कुछ समस्याएँ– सं. डॉ. भोलानाथ तिवारी 12. सम्पर्क भाषा हिंदी – सं. सुरेश कुमार एवं ठाकुर दास 13. बैकिंग हिंदी पाठ्यक्रम – सं. कृष्ण कुमार गोस्वामी 14. भाषा आंदोलन – सेठ गोविंददास 15. प्रशासनिक हिंदी निपुणता – हरिबाबू कंसल 16. आवेदन प्रारूप – डॉ. एस.एन. चतुर्वेदी 17. मीडिया लेखन : सिद्धांत और व्यवहार – चंद्रप्रकाश मिश्रा 18. अनुवाद : सिद्धांत व्यवहार – जयंती प्रसाद नौटियाल 19. अनुवाद : सिद्धांत एवं प्रयोग – जी. गोपीनाथन 20. पटकथा लेखन : एक परिचय – मनोहर श्याम जोशी 21. कम्प्यूटर और हिंदी – डॉ. हरिमोहन 22. मीडिया लेखन : सिद्धांत और व्यवहार – डॉ. चंद्रप्रकाश 23. मीडिया लेखन – संपा. रमेशचंद्र त्रिपाठी 24. भारतीय मीडिया : अंतरंग पहचान – संपा. स्मिता मिश्र 25. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिंदी – डॉ. ओमप्रकाश सिंहल 26. प्रशासनिक हिंदी : टिप्पण, प्रारूपण और पत्र लेखन – डॉ. हरिमोहन

	27. सरकारी कार्यालय में हिंदी का प्रयोग– डॉ. गोपीनाथ श्रीवास्तव 28. दूरदर्शन : दशा और दिशा – सुधीर पचौरी 29. जनमाध्यम और मास कल्चर – जगदीश्वर चतुर्वेदी 30. देवनागरी में यांत्रिक सुविधाएँ – राजभाषा विभाग 31. दृक–श्राव्य माध्यम लेखन – डॉ. राजेन्द्र मिश्र 32. दूरदर्शनः हिंदी के प्रयोजनमूलक विविध प्रयोग – डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू 33. राजभाषा हिंदी – डॉ. कैलाशचंद्र भाटिया 34. संवाद और संवाददाता – डॉ. राजेन्द्र 35. साक्षात्कार – श्याम मनोहर जोशी 36. प्रेस कॉनफ्रेंस और भेटवार्ता – डॉ. नंदकिशोर त्रिखा 37. संपादन कला एवं प्रूफ पठन – डॉ. हरीमोहन 38. समाचार, फीचर लेखन तथा संपादन कला – डॉ. हरीमोहन 39. सूचना, प्रौद्योगिकी और जनमाध्यम – डॉ. हरीमोहन 40. प्रशासनिक और व्यावहारिक पत्रव्यवहार(खण्ड 1 व 2)–ए.ई.विश्वनाथ अय्यर

:

COURSE CODE:HND421		COURSE TYPE:SSC
COURSE TITLE **लघु शोध प्रबंध**		
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

90 Hours	स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष के पाठ्य–विषयों (कोर्सों) में से किसी एक विशेष क्षेत्र छात्र–छात्रा की रुचि को ध्यान में रखकर प्रयोजनमूलक हिन्दी विभाग द्वारा प्रदत्त शोध विषय पर उसे निर्धारित प्राध्यापकों के निर्देशन में अनुसंधान– प्रविधि का उपयोग करते हुए कार्य करना होगा। अनुमानतः 50 (पचास) पृष्ठों में अंकित लघु शोध प्रबंध अलग–अलग तीन प्रतियों में छात्र–छात्रा को सत्रान्त परीक्षा प्रारम्भ होने के कम–से–कम दो सप्ताह पूर्व विभाग में मूल्यांकनार्थ प्रस्तुत करना अनिवार्य होना। इसका मूल्यांकन विभाग के एक सम्बद्ध प्राध्यापक (आन्तरिक परीक्षक) और एक बाहय परीक्षक द्वारा किया जाएगा। उनके द्वारा प्रदत्त अंकों का औसत लब्धांक पत्र (मार्कसीट) में अंकित होगा। लघु शोध प्रबंध 70 (सत्तर) अंक का होगा तथा आंतरिक परीक्षक एवं बाह्य परीक्षकों के द्वारा मूल्यांकित अंक 30 निर्धारित होगा।

COURSE CODE:HNDD01		COURSE TYPE: ECC/CB
COURSE TITLE **प्रायोगिक एवं मौखिकी**		
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

90 Hours	तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर से सम्बन्धित विभिन्न पाठ्य–विषयों (कोर्सों) पर आधारित कार्य और मौखिकी परीक्षा होगी। छात्र–छात्राओं को प्रायोगिक कार्य से संबंधित प्राध्यापकों के निर्देशन में पाठ्य विषय से अभ्यास कार्य का लेखन–सृजन करना होगा। विद्यार्थियों के लिए प्रत्येक पाठ्य विषय से दो–दो अभ्यास कार्य प्राध्यापक के निर्देशन में सुस्पष्ट लेखन अथवा टंकण करवा कर सत्रान्त परीक्षा के दो सप्ताह पूर्व विभाग में प्रस्तुत करना होगा। अभ्यास कार्य में विषय के सैद्धान्तिक और व्यावहारिक पक्षों की गहरी समझ, व्यवसायिक तथा सामाजिक पक्ष का ज्ञान, सामाजिक सरोकारों से जुड़ाव, दृश्य श्रव्य माध्यम की समझ, सौंदर्य बोध और अन्तर्दृष्टि, रंगकर्म और अभिन्यास संबंधी तकनीकी ज्ञान, भाषा और अभिव्यक्ति कौशल पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। आन्तरिक एवं बाह्य परीक्षकों द्वारा प्रायोगिक कार्य का मूल्यांकन करेंगे तदुपरान्त मौखिकी परीक्षाएं सम्पन्न होंगी। प्रायोगिक कार्य के लिए 70 अंक और मौखिकी के लिए 30 अंक निर्धारित होंगे।

COURSE CODE:HNDD 02		COURSE TYPE: ECC/CB
COURSE TITLE **हिंदी पत्रकारिता**		
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. **छात्रों को हिंदी पत्रकारिता के विषय से परिचित कराना।**
2. **हिंदी में कम्प्यूटर के प्रयोग की विधि से अवगत कराना।**
3. **छात्रों को विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी के कार्यसाधक प्रयोग की कुशलता विकसित करना।**

UNIT-1 18 Hours	हिंदी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास – सामान्य रूपरेखा।
UNIT-2 18 Hours	प्रमुख पत्र – उदंत मार्तण्ड, कविवचन सुधा, हिंदी प्रदीप, सरस्वती, कर्मवीर, प्रताप, हंस, माधुरी, मतवाला।
UNIT-3 18 Hours	पत्रकार – भारतेंदु हरिश्चंद्र, बालकृष्ण भट्‌ट, महामना मदन मोहन मालवीय, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, बाबूराव विष्णुराव पराड़कर, गणेश शंकर विद्यार्थी, माखनलाल चतुर्वेदी।
UNIT-4 18 Hours	समाचार की परिभाषा, समाचार संकलन और संपादन, समाचार के विभिन्न स्रोत। भेंटवार्ता के प्रकार और उनकी प्रविधि, शीर्षक कला, फीचर लेखन, स्वरूप और उद्‌देश्य, समाचार लेख संपादन, संपादकीय लेख तथा टिप्पणियों का लेखन, समाचार पत्र की साज–सज्जा, प्रूफ संशोधन, मुद्रण कला का सामान्य ज्ञान।

UNIT-5 **18 Hours**	पत्रकारिता का व्यावहारिक ज्ञान, समाचार कैसे बनाएँ, शीर्षक कैसे दें, अनुवाद की प्रविधि, संक्षिप्तिकरण, संपादकीय लेखन और टिप्पणीलेखन का अभ्यास, पत्रों के विभिन्न स्तम्भ – प्रूफ संशोधन, पत्र की साज–सज्जा, मुखपृष्ठ की साज–सज्जा कैसे आकर्षक बने।
अनुशंसित ग्रंथ	1. हिंदी समाचार पत्रों का इतिहास – अंबिका प्रसाद वाजपेयी 2. संपूर्ण पत्रकारिता – हेरम्ब मिश्र 3. पत्र और पत्रकार – कमलापति त्रिपाठी 4. हिंदी पत्रकारिता – कृष्णबिहारी मिश्र 5. संपादन कला – के.पी.नारायण 6. पत्रकारकला – विष्णुदत्त शुक्ल 7. पत्र संपादन कला – नंदकिशोर त्रिखा 8. मुद्रण कला – प्रभुल्ल चंद्र ओझा 9. हिंदी पत्रकारिता : विविध आयाम – सं. वेदप्रताप वैदिक 10. हिंदी पत्रकारिता : संकट और संत्रास – हेरम्ब मिश्र 11. सम्पूर्ण पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी 12. आधुनिक पत्रकारिता – डॉ. अर्जुन तिवारी 13. समाचार और संवाददाता – काशीनाथ 14. पाठ्यग्रन्थ – पत्रकारिता : सिद्धान्त और प्रयोग – डॉ. राजकुमार उपाध्याय मणि

COURSE CODE:HNDD03		COURSE TYPE: ECC/CB
COURSE TITLE **अनुवाद विज्ञान**		
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

1. **छात्रों को अनुवाद की परिभाषा, स्वरूप एवं व्याप्ति की जानकारी देना**
2. **अनुवाद के विविध रूप तथा अनुवाद प्रक्रिया का परिचय देना**
3. **अनुवाद के सामाजिक–सांस्कृतिक पक्ष से अवगत कराना**
4. **अनुवाद के समय आने वाली विभिन्न समस्याओं तथा उनके समाधान से परिचित कराना**
5. **अनुवाद की क्षमता विकसित करना**

UNIT-1 18 Hours	अनुवाद : व्युत्पत्ति, अर्थ और परिभाषा। अनुवाद : विज्ञान, कला, शिल्प अथवा मिश्रित विधा। अनुवाद – प्रक्रिया : विश्लेषण, अंतरण और पुनर्गठन। कोडीकरण : प्रक्रिया और महत्व। पुनरीक्षण।
UNIT-2 18 Hours	अनुवाद और समतुल्यता का सिद्धांत। अनुवादक की भूमिकाएँ। अनुवाद : भाषा वैज्ञानिक और व्यावहारिक संदर्भ।
UNIT-3 18 Hours	अनुवाद के प्रकार – लिप्यंकन, लिप्यंतरण, अंतःभाषिक, अंतरभाषिक, रूपांतरण अथवा प्रतीकांतरण, अर्थांतरण, शाब्दिक अनुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद, पूर्ण और आंशिक अनुवाद, पाठ्यधर्मी और प्रभावधर्मी अनुवाद, आशु अनुवाद। साहित्यिक अनुवाद : पद्यानुवाद, गद्यानुवाद, नाट्यरूपांतरण। मशीनी अनुवाद : स्थिति, संभावनाएँ और सीमाएँ।
UNIT-4 18 Hours	अनुवाद का अनुप्रयुक्त पक्ष और समस्याएँ : कोश का प्रयोग, पारिभाषिक शब्दावली का प्रयोग, साहित्यिक अनुवाद, वैज्ञानिक साहित्य का अनुवाद, विधि साहित्य का अनुवाद, कार्यालयी सामग्री का अनुवाद, समाचारों का अनुवाद, बैंकिंग शब्दावली का अनुवाद। अनुवाद की सीमाएँ : भाषिक संरचना और शैली, सांस्कृतिक शब्दावली, लोकोक्तियाँ एवं मुहावरे, लाक्षणिक प्रयोग, साहित्यिक एवं साहित्येत्तर।अनुवाद की भारतीय और पाश्चात्य परंपरा : संक्षिप्त परिचय।

UNIT-5 **18 Hours**	अंग्रेजी से हिंदी (एक अनुच्छेद) सामाजिक, सांस्कृतिक, शैक्षिक विषयों से संबंधित अनुच्छेद अथवा पत्र–पत्रिकाओं से संबंधित अनुच्छेद। वाक्यांश और शब्दावली का अनुवाद – दस वाक्यांश अथवा पंद्रह शब्द।
अनुशंसित ग्रंथ	1. अनुवाद विज्ञान – डॉ.भोलानाथ तिवारी 2. अनुवाद सिद्धांत की रूपरेखा – प्रो.सुरेश कुमार 3. कार्यालयी अनुवाद निर्देशिका – गोपीनाथ श्रीवास्तव 4. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग – श्री गोपीनाथन् 5. हिंदी में व्यावहारिक अनुवाद – आलोक कुमार रस्तोगी 6. अनुवाद सिद्धांत और प्रयोग – कैलाशचंद्र भाटिया 7. अनुवाद कला – डॉ. एन.ई. विश्वनाथ अय्यर 8. अनुवाद प्रक्रिया – रीता रानी पालीवाल 9. अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण – डॉ. हरिमोहन

COURSE CODE:HND203		COURSE TYPE: CCC
COURSE TITLE **कोश विज्ञान**		
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

भाषा के प्रयोजनपरक आयाम का सम्बन्ध हमारे सामाजिक आवश्यकताओं और जीवन व्यवहार से होता है और व्यक्तिपरक होकर भी जो समाज –सापेक्ष सेवा माध्यम (सर्विस–टूल्स) के रूप में प्रयुक्त होता है। जीवन और समाज की विभिन्न आवश्यकताओं और दायित्यों की पूर्ति के लिए विभिन्न व्यवहार क्षेत्रों (डोमेन) में उपयोग की जाने वाली हिन्दी प्रयोजनमूलक हिन्दी है।

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को कार्यालयों में कर्णिक के रूप में और भाषा अधिकारी के रूप में रोजगार पाने की प्रबल संभावना रहती है इसके साथ–साथ अन्यान्य क्षेत्रों में भी नौकरी मिलने की संभावना रहती है।

UNIT-1 18 Hours	हिन्दी कोश निर्माण का इतिहास (नाममाला कोश से थिसारस तक)। हिन्दी कोशों के विभिन्न रूप–शब्द कोश (एकल, द्विभाषी, त्रिभाषी, बहुभाषी),
UNIT-2 18 Hours	व्युत्पत्ति कोश, प्रयोगकोश, परिचय कोश, विश्वविज्ञान कोश, संदर्भ कोश, पात्र कोश, उद्धरण कोश, सूक्ति कोश, लोकोक्ति कोश, मुहावरा कोश, पर्याय कोश आदि।
UNIT-3 18 Hours	हिन्दी की पारभिाषिक शब्दावली के निर्माण का इतिहास, शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया, वैज्ञानिक तकनीकी शब्दावली आयोग की भूमिका, हिन्दी के प्रमुख कोश और कोशकार,

UNIT-4 18 Hours	संकेताक्षर निर्माण की समस्या, हिन्दी में प्रचलित कूट पद (कोड), जनपदीय भाषाओं बोलियों के शब्दकोशों की स्थिति।
UNIT-5 18 Hours	कोश निर्माण प्रविधि– प्रविष्टि संरचना, विभिन्न व्याकरणिक कोटियों का समायोजन, शब्दार्थ निरूपण। उपप्रविष्टियों/संकेताक्षर/संक्षेप्ताक्षर। कोश निर्माण संबंधी विभिन्न समस्याएं – अनेकार्थता, विलोमता, समध्वन्यार्थत्मकता आदि।
अनुशंसित ग्रंथ	1. कोश विज्ञान – डॉ.भोलानाथ तिवारी 2. कोश निर्माण : सिद्धान्त और परम्परा – डॉ.सुरेश कुमार 3. कोश विज्ञान – सुधा मंगेश कत्रे 4. हिन्दी कोश विज्ञान का उद्‌भव और विकास – डॉ.युगेश्वर 5. कोश–विज्ञान : सिद्धान्त और प्रयोग – डॉ. हरदेव बाहरी 6. कोश–विज्ञान सिद्धान्त एवं मूल्यांकन – सं. सतीश कुमार रोहरा एवं पीताम्बर 7. पारिभाषिक शब्दावली : कुछ समस्याएं – सं. डॉ.भोलानाथ तिवारी एवं महेन्द्र चतुर्वेदी 8. राजभाषा हिन्दी में वैज्ञानिक साहित्य के अनुवाद की दिशाएं – डॉ.हरिमोहन 9. विज्ञान तथा तकनीकी शब्दावली आयोग, केन्द्रीय हिन्दी निदेशालय, दिल्ली द्वारा प्रकाशित विभिन्न बृहत् पारिभाषिक शब्दकोश।

COURSE CODE:HNDD05		COURSE TYPE: ECC/CB
COURSE TITLE **पाठालोचन**		
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

भाषा के प्रयोजनपरक आयाम का सम्बन्ध हमारे सामाजिक आवश्यकताओं और जीवन व्यवहार से होता है और व्यक्तिपरक होकर भी जो समाज –सापेक्ष सेवा माध्यम (सर्विस–टूल्स) के रूप में प्रयुक्त होता है। जीवन और समाज की विभिन्न आवश्यकताओं और दायित्यों की पूर्ति के लिए विभिन्न व्यवहार क्षेत्रों (डोमेन) में उपयोग की जाने वाली हिन्दी प्रयोजनमूलक हिन्दी है।

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को कार्यालयों में कर्णिक के रूप में और भाषा अधिकारी के रूप में रोजगार पाने की प्रबल संभावना रहती है इसके साथ–साथ अन्यान्य क्षेत्रों में भी नौकरी मिलने की संभावना रहती है।

UNIT-1 18 Hours	पाठ की अवधारणा, पाठ की विभिन्न प्राचीन भारतीय पद्धतियाँ। पाठानुसंधान – आधारभूत सामग्री की खोज, पांडुलिपि परीक्षण, पुष्पिका का विवेचन, पाठान्तरों का तुलनात्मक अध्ययन, प्रक्षेपों की पहचान, लिपि विज्ञान तथा पाठ निर्धारण की प्रक्रिया, प्रामाणिक पाठ का संपादन,
UNIT-2 18 Hours	पाठालोचन की प्रमुख पद्धतियाँ – व्याकरणिक, शैली वैज्ञानिक, संरचनावादी, सौंदयशास्त्री, रूप विज्ञान परक।
UNIT-3 18 Hours	हिन्दी पाठानुसंधान का विकास क्रम। पाठालोचन के मानक ग्रंथ – 1. आचार्य विश्वनाथ मिश्र कृत रामचरित मानस का काशिराज संस्करण
UNIT-4 18 Hours	डॉ.वासुदेव शरण अग्रवाल कृत पदमावत का व्यावहारिक विवेचन

UNIT-5 **18 Hours**	डॉ.माताप्रसाद गुप्त कृत कान्हावत का व्यावहारिक विवेचन। हिन्दी पाठालोचन की प्रयोजनीयता।
अनुशंसित ग्रंथ	1. पाठालोचन के सिद्धान्त – डॉ.गोविन्द नाथ राजगुरू 2. पाठभाषा विज्ञान तथा साहित्य –सं. सुरेश कुमार एवं रामवीर सिंह, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा। 3. पाण्डुलिपि विज्ञान – डॉ.सत्येन्द्र 4. साहित्य में बाह्य प्रभाव – केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा। 5. गवेषणा (पाठालोचन विशेषांक) – केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा। 6. भारतीय साहित्य (पाठालोचन विशेषांक) – कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी विद्यापीठ, आगरा। 7. हिन्दी पाठानुसंधान – कन्हैया सिंह

COURSE CODE:HNDC03		COURSE TYPE: ECC/CB
COURSE TITLE **भाषा शिक्षण**		
CREDIT: **THEORY: 6PRACTICAL:NA**	**HOURS: 90** **THEORY: 90**	**PRACTICAL:**
MARKS: **THEORY: 70+30PRACTICAL:**	**MARKS** **THEORY:**	**PRACTICAL:**

OBJECTIVE:

भाषा के प्रयोजनपरक आयाम का सम्बन्ध हमारे सामाजिक आवश्यकताओं और जीवन व्यवहार से होता है और व्यक्तिपरक होकर भी जो समाज –सापेक्ष सेवा माध्यम (सर्विस–टूल्स) के रूप में प्रयुक्त होता है। जीवन और समाज की विभिन्न आवश्यकताओं और दायित्यों की पूर्ति के लिए विभिन्न व्यवहार क्षेत्रों (डोमेन) में उपयोग की जाने वाली हिन्दी प्रयोजनमूलक हिन्दी है।

इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थियों को कार्यालयों में कर्णिक के रूप में और भाषा अधिकारी के रूप में रोजगार पाने की प्रबल संभावना रहती है इसके साथ–साथ अन्यान्य क्षेत्रों में भी नौकरी मिलने की संभावना रहती है।

UNIT-1 18 Hours	हिन्दी भाषा एवं शब्दावली के विविध रूप– तत्सम, तद्भव, देशज, विदेशी, कृत्रिम। प्रतीक भाषा, मिथकीय भाषा, मूक–बधिर भाषा, ब्रेल लिपि प्रशिक्षण, भाषिक प्रशिक्षण के विभिन्न स्तर– प्रारंभिक कक्षाओं में, उच्च शिक्षा संस्थाओं में, हिन्दीतर भाषियों, विभाषियों– विदेशियों के बीच द्वितीय भाषा के रूप में।
UNIT-2 18 Hours	भाषा विज्ञान के मूलाधार– व्याकरण बोध, मानकवर्तनी का ज्ञान, शुद्ध वाक्य विन्यास, वैज्ञानिक उच्चारण, मानकीकृत देवनागरी लिपि का अभ्यास।
UNIT-3 18 Hours	हिन्दी शब्द भंडार–पर्यायवाची, समानार्थक, विलोम, गूढ़ार्थ वाची, समश्रुत, अनेक शब्दों के लिए एक शब्दयुग्म,
UNIT-4 18 Hours	देवनागरी लिपि का इतिहास तथा वैशिष्ट्य, देवनागरी की वैज्ञानिकता। कम्प्यूटीकरण की दृष्टि से संक्षेपण, संशोधन की आवश्यकता। हिन्दी का अनुप्रयोगात्मक व्याकरण।

UNIT-5 **18 Hours**	शैली विज्ञान–प्रारंभिक परिचय। हिन्दी भाषा के विशिष्ट शब्दों का भारतीय भाषाओं के संदर्भ में तुलनात्मक अध्ययन। हिन्दी भाषा का भविष्य।
अनुशंसित ग्रंथ	1. *भाषा शिक्षण – डॉ.रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव* 2. *भाषा शिक्षण – सिद्धान्त एवं प्रविधि–मनोरमा गुप्त* 3. *भाषा शिक्षण तथा भाषा विज्ञान – प्र.स. ब्रजेश्वर वर्मा* 4. *हिन्दी शिक्षण : अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य –सं. सतीश कुमार रोहरा एवं सूरजभान सिंह* 5. *अन्य भाषा के रूप में हिन्दी शिक्षण – डॉ.महावीर शरण जैन* 6. *द्वितीय भाषा–शिक्षण : भाषा वैज्ञानिक विधि – मोहब्बत सिंह एवं मानसिंह चौहान* 7. *हिंदी संरचना का अध्ययन–अध्यापन–लक्ष्मीनारायण शर्मा* 8. *हिन्दी भाषण शिक्षण : डॉ.रंगनाथ पाठक* 9. *त्रुटि विश्लेषण : सिद्धान्त और व्यवहार– रामकमल पाण्डेय* 10. *भाषाविज्ञान की अधुनातन प्रवृत्तियाँ और द्वितीय भाषा के रूप में हिन्दी भाषा शिक्षण शिवेन्द्र किशोर वर्मा* 11. *अद्यतन भाषा विज्ञान – शीतांशु शशिभूषण पाण्डेय* 12. *भाषा विमर्श – शीतांशु शशिभूषण पाण्डेय*